@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 2 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 147 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने का बिल लोकसभा से पारित

•भाजपा-कांग्रेस ने दिया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली । अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी और एकमात्र राजधानी के रूप में मान्यता देने वाला बिल बुधवार को लोकसभा से पारित हो गया। भाजपा और तेदेपा के साथ ही कांग्रेस ने भी इस बिल का समर्थन किया। हालांकि आंध्र प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी वाईएसआरसीपी ने इस बिल का विरोध किया। लोकसभा में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 पर बहस शुरू करते हुए कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से बिल का समर्थन करती है, लेकिन राज्य को विशेष दर्जा भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अमरावती को बंगलूरू, चेन्नई या हैदराबाद की तरह विकसित किया जाए। विशाखापत्तनम, तिरुपति और कुर्नूल को भी विकसित किया जाए। हम अमरावती को आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी मानते हैं।'

बीजू पटनायक पर बयान देकर फंसे निशिकांत दुबे

•माफी मांगते हुए कहा- नेहरू के लिए कहा था

एजेंसी

नई दिल्ली । बीते हफ्ते भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ओडिशा के पूर्व सीएम बीजू पटनायक को लेकर कुछ ऐसा कह दिया था, जिस पर खासा विवाद हुआ। अब निशिकांत दुबे ने अपने बयान पर माफी मांगी है। निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया और ये उनके व्यक्तिगत विचार थे।

भाजपा सांसद बोले- बयान को गलत समझा गया

निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'पिछले हफ्ते मीडिया से बात करते हुए मैंने नेहरू गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में कुछ बयान दिया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के अग्रणी नेताओं में शुमार बीजू पटनायक के संदर्भ में बोली गईं, मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया। यह मेरा व्यक्तिगत बयान है। नेहरू जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू पटनायक के ऊपर समझा गया।' निशिकांत दुबे ने कहा 'बीजू बाबू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के नेता रहे हैं और रहेंगे। मेरे वक्तव्य से अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उसके लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं।'

त्रिशूर चुनाव पर विवादः केंद्रीय मंत्री गोपी की याचिका खारिज

•केरल हाईकोर्ट ने कहा- मुकदमे का सामना करना होगा

एजेंसी

गुवाहाटी। केरल हाई कोर्ट ने बुधवार को केंद्रीय राज्य मंत्री सुरेश गोपी को एक बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनके चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका के खिलाफ दायर उनकी अर्जी को खारिज कर दिया। जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने यह फैसला सुनाया। अब सुरेश गोपी को इस मामले में कोर्ट में ट्रायल का सामना करना पड़ेगा। त्रिशूर के रहने वाले और एआईवाईएफ नेता बिनॉय एएस ने सुरेश गोपी के खिलाफ यह चुनावी याचिका दायर की थी। बिनॉय ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि सुरेश गोपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान गलत तरीके अपनाए। याचिका के अनुसार, उन्होंने चुनाव जीतने के लिए धार्मिक प्रतीकों का गलत इस्तेमाल किया। सुरेश गोपी वर्तमान में पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और पर्यटन मंत्रालय में राज्य मंत्री हैं। उन्होंने 2024 के चुनाव में केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इस जीत के साथ ही उन्होंने केरल में बीजेपी का दशकों पुराना इंतजार खत्म किया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 74,686 वोटों के बड़े अंतर से हराया था।

ममता बनर्जी को सता रहा नए अधिकारियों का डर

• टीएमसी उम्मीदवारों से कहा- नामांकन भरते समय सतर्क रहें

एजेंसी

कोलकाता। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारियों को उनकी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन खारिज करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने टीएमसी प्रत्याशियों से नामांकन दाखिल करते समय विशेष सावधानी बरतने की अपील की। गौरतलब है कि बंगाल में चुनाव एलान के बाद बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। बीरभूम जिले के नानूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'सब कुछ बदल दिया गया है, यहां नया सेटअप है। चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त नए अधिकारी आपके नामांकन खारिज करने के लिए लगाए गए हैं, इसलिए नामांकन भरते समय सतर्क रहें।' उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी राजनीतिक फायदे के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने खासकर महिलाओं से भाजपा को वोट न देने की अपील करते हुए कहा, 'वे (भाजपा) महिला विरोधी हैं, इसलिए एसआईआर में गलती का हवाला देकर उनके नाम हटाए जा रहे हैं।'

सिद्धगंगा मठ की सेवा देश के विकास के लिए प्रेरणाः द्रौपदी मुर्मू

•सिद्धगंगा मठ आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

एजेंसी

तुमकुरु। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सिद्धगंगा मठ ने देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और गरीब एवं अनाथ बच्चों को शिक्षा व आश्रय देकर मानवीय मूल्यों को मजबूत किया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार क़ो कर्नाटक के तुमकुरु स्थित सिद्धगंगा मठ के वस्तु प्रदर्शनी मैदान में आयोजित श्री श्री शिवकुमार स्वामीजी की 119वीं जयंती समारोह क़ो सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मठ की सेवा परंपरा पूरे देश के लिए आदर्श है। सिद्धगंगा मठ आकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई है। दासोह और शिक्षा के माध्यम से मठ ने गरीब बच्चों के जीवन में उजाला लाया है। 'दया ही धर्म का मूल है' इस सिद्धांत को मठ ने वास्तविक रूप से अपनाया है।उन्होंने कहा कि वीरशैव-लिंगायत मठों में सिद्धगंगा मठ का विशेष स्थान है और यह निरंतर सेवा कार्यों के कारण अग्रणी बना हुआ है।इस अवसर पर सिद्धलिंग स्वामीजी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी का जीवन त्याग और सेवा का प्रतीक था। गरीब और बालिकाओं को शिक्षा देना ही उनके जीवन का मुख्य उद्देश्य था। उनकी उपलब्धियां किसी चमत्कार से कम नहीं हैं। इस मौके पर कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गेहलोत ने कहा कि मानव कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले शिवकुमार स्वामीजी की सेवा अद्वितीय है। उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत को अपने जीवन में उतारा। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि शिवकुमार स्वामीजी अनाथ बच्चों के लिए पिता समान थे और मानवता के प्रतीक थे। वे मनुष्य से महादेव बने।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा-

कि सिद्धगंगा मठ केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि शिक्षा और सामाजिक क्रांति का केंद्र है। त्रिविध दासोह के माध्यम से मठ को विश्व प्रसिद्धि मिली है। कार्यक्रम के दौरान मठ की ओर से राष्ट्रपति को बसवन्ना की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्र और राज्य सरकार के कई मंत्री एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पिछले कांग्रेस शासन ने पंजाब में ग्रामीण विकास को नजरअंदाज कियाः मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 1 अप्रैल। पंजाब सरकार की 'शानदार चार साल भगवंत मान दे नाल' श्रृंखला के हिस्से के रूप में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग का चार साल का व्यापक रिपोर्ट कार्ड पेश किया, जिसमें यह दिखाया गया कि निरंतर नीतिगत हस्तक्षेप ने गांवों के बुनियादी ढांचे को कैसे बदला है, जमीनी स्तर पर प्रशासन को मजबूत किया है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। ग्रामीण विकास को समग्र विकास के केंद्रीय स्तंभ के रूप में बताते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब के पहले जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की शुरुआत से लेकर बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा निर्माण, पारदर्शी भूमि प्रबंधन के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करने और युवा-केंद्रित विकास कार्यक्रमों सहित प्रमुख पहलों की रूपरेखा पेश की। पहली अप्रैल से शुरू होने वाले जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण को समानता और नीति निर्माण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य कार्रवाई को गोपनीय रखते हुए सभी समुदायों के जीवन स्तर का मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास रिपोर्ट कार्ड एक व्यापक शासन ढांचे का हिस्सा है, जिसके तहत 'आप' सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सिंचाई, कृषि और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सेक्टर-वार प्रदर्शन के साथ-साथ जवाबदेही, पारदर्शिता और परिणामों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पिछले चार वर्षों में गांवों का पूर्ण विकास हुआ है, जिसमें बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य, तालाबों की सफाई शामिल है क्योंकि राज्य ने सरकारी जमीनों से अवैध कब्जे हटाकर और अन्य तरीकों से पैसा कमाया है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य के सख्त प्रयासों के कारण पंचायत चुनावों में सर्वसम्मति में वृद्धि हुई है। पंजाब में 13,236 पंचायतों के लिए चुनाव 2024 में हुए थे, जिनमें बड़ी संख्या में पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गईं। 2018 में लगभग 1,870 पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गई थीं, लेकिन 2024 में 2,970 पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गई थी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 1,100 से अधिक पंचायतें सर्वसम्मति से चुनी गईं, जिससे गांवों में सामुदायिक सौहार्द मजबूत होता है और गांवों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने सरपंचों का मानभत्ता 1,200 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये प्रति माह कर दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ग्रामीण विकास के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत वर्ष 2025-26 में ग्रामीण विकास पर 2,367.64 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जो 2024-25 के मुकाबले दोगुने थे। वर्ष 2017-22 के दौरान पांच वर्षों में गांवों के विकास पर 1,883 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि राज्य सरकार ने इस नेक कार्य के लिए पिछले चार वर्षों में 3,847 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, पंचायत इमारतों, लाइब्रेरियों, आंगनवाड़ी केंद्रों, खेल मैदानों, गलियों, नालियों और अन्य विकास कार्यों पर 1,030.94 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

शेष पृष्ठ 3 पर

देश में बंजर वनों के पौधरोपण के लिए ग्रीन क्रैडिट प्रोग्राम शुरू : कीर्ति वर्धन सिंह

•केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह जानकारी राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को सदन में दी।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वन और पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि देश में बंजर वनों के पौधरोपण में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर इकाइयों को सक्रिय रूप से जोड़ने के लिए ग्रीन क्रैडिट प्रोग्राम शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि ग्रीन क्रैडिट प्रोग्राम के अन्तर्गत कवर किये जाने वाले बंजर वनों की भूमि का चयन राज्य सरकार का वन विभाग मौके की परिस्थिति के अनुसार करता है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने यह जानकारी राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को सदन में दी।

उन्होंने बताया कि अभियर्थियों द्वारा बंजर वनों में पौधरोपण और हरियाली को विकसित करने के प्रयासों के पांच साल बाद ग्रीन क्रैडिट के लिए क्लेम किया जा सकता है तथा ग्रीन क्रैडिट क्लेम करने के लिए उस बंजर क्षेत्र में वनों की परत 40 प्रतिशत तक होनी चाहिए तथा क्षेत्र हरे भरे पेड़ों से कवर होना चाहिए। उन्होंने सांसद इंदु गोस्वामी को बताया कि ग्रीन क्रैडिट कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्र में किये गए पौधरोपण को विकसित करने के लिए पांच साल की अवधि तय की गई है ताकि वहां हरियाली की उचित परत विकसित हो सके। उन्होंने बताया कि बंजर वनों को पुनर्जीवित करने के लिए शुरू किये गए इस ग्रीन क्रैडिट कार्यक्रम का उद्देश्य जैव विविधिता को बढ़ाने और वन संसाधनों की पर्यावरणीय सेहत और उत्पादन क्षमता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि इण्डियन कॉउन्सिल ऑफ़ फॉरेस्टरी रिसर्च एंड एजुकेशन देहरादून को इस कार्यक्रम का प्रशासक नियुक्त किया गया है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 'टाइड्स ऑफ टाइम' पुस्तक का विमोचन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां संविधान सदन में राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमः संसद में भित्तिचित्रों के माध्यम से भारत का इतिहास' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने संसद में बने भित्ति चित्रों को भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत का जीवंत प्रतिबिंब बताया और भारत को 'लोकतंत्र की जननी' कहा। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन ने कहा कि संविधान सदन में स्थापित भित्ति चित्र केवल कला कृतियां नहीं हैं, बल्कि वे भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत यात्रा को दर्शाने वाली दृश्य कथाएं हैं। उन्होंने लेखिका सुधा मूर्ति की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इन चित्रों की 'कालातीत सुंदरता और गहरे प्रतीकवाद' को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है, जिससे इतिहास को नई पीढ़ियों के करीब लाने में मदद मिलेगी। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं प्राचीन काल से ही निरंतर, समावेशी और समाज की जड़ों में गहराई तक समाई रही हैं।

•'संविधान सदन में स्थापित भित्ति चित्र केवल कला कृतियां नहीं हैं, बल्कि वे भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत यात्रा को दर्शाने वाली दृश्य कथाएं हैं।'

उन्होंने वैशाली से लेकर दक्षिण भारत की कुदावोलै प्रणाली तक के उदाहरण देते हुए कहा कि संवाद, सहमति और विविध विचारों के सम्मान की परंपरा भारत को 'लोकतंत्र की जननी' बनाती है।

•भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार किया

•सीजेआई की पीठ ने कहा- हाईकोर्ट करेगा फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली । धार के ऐतिहासिक भोजशाला परिसर से जुड़े विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई सर्वे से संबंधित याचिकाओं पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट कहा कि मुस्लिम पक्ष अपनी सभी शिकायतों और साक्ष्यों की मांग को लेकर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का रुख करे। मामले को लेकर वकील विष्णु शंकर जैन ने सोशल मीडिया ङ्क पर ट्वीट कर कहा कि भोजशाला मामले के संबंध में, आज मौला कमालुद्दीन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पिटीशन (स्ल्क्क) दायर की गई थी। इस याचिका में मुख्य मांग यह थी कि ,स्ढ्ढ सर्वे के संबंध में 11 मार्च, 2024 के कोर्ट के आदेश के पालन में की गई वीडियोग्राफी की एक कॉपी उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने आज इस मामले का निपटारा करते हुए कहा कि वीडियोग्राफी के संबंध में उनकी जो भी आपत्तियां होंगी, उन पर हाई कोर्ट विचार करेगा। इस मामले से जुड़ी सुनवाई 2 अप्रैल को हाई कोर्ट की इंदौर बेंच के समक्ष शुरू होनी है।

हाईकोर्ट की कार्यवाही से असंतुष्टि के बाद पहुंचा मामला सुप्रीम कोर्ट

इस मामले में मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रही कमाल मौलाना वेलफेयर सोसायटी ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच की कार्यवाही पर असंतोष जताते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सोसायटी ने अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की थी।

सुनवाई की तारीख को लेकर उठाई आपत्ति

मुस्लिम पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत विशेष आवेदन में कहा गया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में 2 अप्रैल को प्रस्तावित सुनवाई से पहले 1 अप्रैल को ही उनकी आपत्तियों पर विचार किया जाए। सोसायटी का तर्क था कि उनकी बात सुने बिना आगे की प्रक्रिया उचित नहीं होगी।

वीडियोग्राफी और साक्ष्यों का मुद्दा प्रमुख

सोसायटी के अध्यक्ष अब्दुल समद ने बताया कि 11 मार्च को एएसआई द्वारा किए जा रहे सर्वे की वीडियोग्राफी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। उनका आरोप है कि 16 मार्च की सुनवाई के दौरान इस मुद्दे पर न तो चर्चा हुई और न ही कोई स्पष्ट आदेश दिया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने अमित शाह को लिखा पत्र

•नक्सलवाद मुक्त भारत पर जताया आभार

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नक्सलवाद मुक्त भारत पर उनका आभार जताया है। डॉ. सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि 31 मार्च 2026 का यह ऐतिहासिक दिन राष्ट्र के लिए एक नई आशा और नई सुबह लेकर आया है। छत्तीसगढ़ विस अध्यक्ष ने पत्र में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और आपके दृढ़ संकल्प से दशकों से नक्सलवाद का कष्ट झेल रही भारत भूमि अब अलोकतांत्रिक विचारधारा से पूरी तरह मुक्त हुई है। संविधान विरोधी शक्तियों ने दशकों से भारत भूमि को भीतर से चोट पहुंचाई है। माओ और लेनिन जैसी लोकतंत्र विरोधी विचारधारा ने नक्सलबाड़ी से लेकर बस्तर तक हजारों निर्दोष लोगों को अपना शिकार बनाया, विकास को बाधित कर आदिवासियों को मुख्यधारा से अलग करने का काम किया और इसका परिणाम हमनें छत्तीसगढ़ की धरती पर देखा है। जिस छत्तीसगढ़ में धान का कटोरा बनने का सामर्थ्य था, उसे भुखमरी और पलायन के दौर से गुजरना पड़ा। डॉ. रमन सिंह ने पूर्व संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार पर आरोप लगाते हुए आगे लिखा कि जब मैं मुख्यमंत्री के रूप में राष्ट्रीय स्तर की बैठकों में जाया करता था, तब यूपीए सरकार के मंत्री नक्सलवाद को राज्य की समस्या मानकर स्वयं को किनारे कर लेते थे।

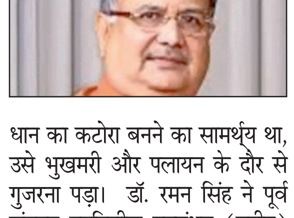

मुख्यमंत्री खेमचंद से मिले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, शांति प्रयासों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनम खेमचंद सिंह को निर्देश दिया कि वे जारी शांति प्रक्रिया को तेज करें और राज्य के विभिन्न समुदायों के बीच बढ़ रही सद्भावना को और मजबूत करें। इंफाल में मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री ने संसद भवन परिसर में हुई एक बैठक के दौरान मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह के साथ मणिपुर में मौजूदा कानून-व्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह मंगलवार शाम को विशेष रूप से केंद्रीय गृह मंत्री शाह से मिलने के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे। सीएमओ अधिकारी ने कहा, 'केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री के साथ मणिपुर में मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यमंत्री को चल रही शांति पहलों में तेजी लाने और विभिन्न समुदायों के बीच बेहतर हो रहे संबंधों को और मजबूत करने का भी निर्देश दिया। 'बैठक के दौरान, केंद्रीय मंत्री शाह ने राज्य के लिए मणिपुर राइफल्स की एक यूनिट (महिला इंडिया रिजर्व बटालियन) गठित करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी भी दी, और मुख्यमंत्री से इस संबंध में एक औपचारिक प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। इससे पहले, 22 फरवरी को, मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह ने उप मुख्यमंत्रियों, नेमचा किपगेन और लोसी दिखो, के साथ मिलकर केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में उन्होंने जातीय हिंसा से प्रभावित आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) के पुनर्वास सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की थी।

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के बाथरूम में मिले पेपर पर डेंजर लिखा... हड़कंप मच गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के एक विमान में संदिग्ध टिश्यू पेपर मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम में पाए गए पेपर पर डेंजर लिखा हुआ था और नीचे खोपड़ी बनी थी। यह घटना तब हुई जब विमान अपनी अगली उड़ान के लिए तैयारी में था। मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे विमान और इलाके की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान बागडोगरा से दिल्ली जा रहा था और कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल (एवियोनिक्स बे) से धुआं निकलने के कारण सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर मोड़ा गया। विमान शाम 5-18 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में चालक दल के छह सदस्य और 142 यात्री शामिल थे। सभी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य विमानों में जगह दी, कुछ को टिकट की पूरी रकम वापस की गई, और कई को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान की गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चालक दल ने समय रहते विमान को लखनऊ में उतारा। दोनों घटनाओं ने हवाई सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। मुंबई की घटना चेतावनी और सुरक्षा जांच की आवश्यकता दिखाती है, जबकि लखनऊ की घटना विमानन सुरक्षा और आपात स्थिति प्रबंधन की तत्परता को दर्शाती है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और दोनों मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक उसी तारीख से प्रभावी जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत जब कोई पति तलाक का एलान करता है तो तलाक उसी तारीख से प्रभावी माना जाता है, जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो बशर्ते कि वह कानून के अनुसार वैध हो। एक मुस्लिम महिला द्वारा भरण-पोषण को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह भी तय है कि जहां कोई पति तलाक देता है और बाद में उसी के संबंध में कोई आदेश पाने के लिए अदालत जाता है तो अदालत द्वारा दिया गया आदेश आमतौर पर केवल घोषणात्मक प्रकृति का होता है। यह केवल उस तलाक की स्थिति को मान्यता देता है या उसकी पुष्टि करता है जो पहले ही हो चुका होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में अदालत का आदेश फैसले की तारीख से कोई नया तलाक नहीं करता बल्कि केवल यह घोषित करता है कि क्या तलाक पहले ही वैध रूप से दिया जा चुका था। कोर्ट ने याची पत्नी को राहत देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा भरण-पोषण वाद को लेकर पारित आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने याची महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को फैमिली कोर्ट को वापिस भेजने का आदेश दिया ताकि वो याची महिला के भरण-पोषण के दावे पर कानून के अनुसार दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से और गुण-दोष के आधार पर निर्णय ले सकें।

विजय के काफिले में सुरक्षा में गंभीर चूक... केंद्रीय गृह मंत्री शाह और केंद्रीय गृह सचिव को लिखा खत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय के काफिले की सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। इस बारे में विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। 31 मार्च को लिखे पत्र में विजय ने 30 मार्च की उस घटना का उल्लेख किया, जब पेरम्बूर से नामांकन दाखिल करने के बाद कोलाथुर में अगले चुनाव प्रचार कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि तभी उनके वीआईपी काफिले की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल और यातायात प्रबंधन उपलब्ध नहीं कराया गया। अभिनेता से नेता बने विजय ने इस मामले को 卐गंभीर और चिंताजनक卐 सुरक्षा चूक बताकर कहा कि वे केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा के तहत एक संरक्षित व्यक्ति हैं। इसके बाद उनके काफिले के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन होना अनिवार्य था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पूरा चुनाव प्रचार कार्यक्रम चुनाव अधिकारियों से विधिवत अनुमति लेकर ही आयोजित किया गया था। पत्र में विजय ने उल्लेख किया कि वे 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं और चेन्नई के पेरम्बूर तथा त्रिची पूर्व विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार हैं। इस तरह के संवेदनशील चुनावी माहौल में सुरक्षा में लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए और भविष्य में उनके चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

गोवा की अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को दी जमानत... लेकिन अभी रहना होगा जेल में

पणजी (एजेंसी)। गोवा के चर्चित नाइटक्लब अग्निकांड मामले में एक बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। गोवा की एक लोकल अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को जमानत दे दी है, लेकिन इसके बावजूद वे फिलहाल जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे। यह मामला बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइटक्लब से जुड़ा है, जहां 6 दिसंबर 2025 को भीषण आग लगी थी। इस हादसे में करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 50 लोग घायल हुए थे। घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मर्सिस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोनों आरोपियों को नियमित जमानत दी। उनके पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध कांतक ने पैरवी की। हालांकि, यह राहत अधूरी साबित हुई क्योंकि तभी एक अन्य मामले ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी। दरअसल, मापुसा पुलिस ने लूथरा बंधुओं को कथित जालसाजी के एक अलग मामले में हिरासत में ले रखा है। आरोप है कि उन्होंने नाइटक्लब के लिए आबकारी लाइसेंस हासिल करने हेतु फर्जी दस्तावेज और एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) का इस्तेमाल किया। इस मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पहले ही खारिज की जा चुकी थी। पिछले सप्ताह अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को ठुकरा दिया था।

यूसीसी का वादा कर असम में ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही भाजपा : पवन खेड़ा

PTI

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के भारतीय जनता पार्टी के वादे की आलोचना कर आरोप लगाया कि यह शासन संबंधी मुद्दों से ध्यान भटकाने की सोची-समझी एक चाल है। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने भाजपा पर चुनाव से पहले ध्रुवीकरण की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे इसतरह के मुद्दे उठाने की कोशिश करने वाले हैं, ताकि मतदाताओं का ध्यान भाजपा सरकार के असली झूठ से हटे और वे गुमराह हो जाएं। उन्हें असम चुनाव में ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने दीजिए। लेकिन असम की जनता कभी ध्रुवीकृत नहीं होगी। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने कहा कि वे सिर्फ गलत मुद्दे उठा रहे हैं, ताकि उनकी अपनी कमियों, उनके अपने भ्रष्टाचार और उनके अपने कुकर्मों पर किसी तरह की चर्चा नहीं हो सके। दरअसल भाजपा ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र जारी किया, इसमें 31 वादे शामिल हैं, जिसमें समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन और ओरुनोदोई योजना के तहत महिलाओं के लिए मासिक प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना शामिल है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना है और उन्होंने उत्तराखंड और गुजरात का अनुसरण कर संविधान की छठी अनुसूची के तहत आने वाले क्षेत्रों और आदिवासी समुदायों को छोड़कर यूसीसी (उप-परिस्थिति नियंत्रण अधिनियम) को लागू करने का संकल्प लिया। सीएम सरमा ने कहा कि हम असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना चाहते हैं। हम आश्रित राज्य नहीं बनना चाहते, हम देश के निर्माण में भाग लेना चाहते हैं। हम छठी अनुसूची और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर असम में यूसीसी लागू करने वाले है। हम लव जिहाद के खिलाफ कड़े कदम उठाएंगे। हम असम को बाढ़ मुक्त बनाने के प्रयास में पहले दो वर्षों में 18,000 करोड़ रुपये खर्च करने वाले है।

कुवैत में जान गंवाने वाले 20 भारतीयों के पार्थिव शरीर विशेष विमान से पहुंचे कोच्चि

कोच्चि (एजेंसी)। कुवैत में अलग-अलग घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर मंगलवार को केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक विमान सेवाओं में आए भारी व्यवधान के चलते इन शवों को वतन लाने की प्रक्रिया में काफी विलंब हुआ। कुवैत एयरवेज की विशेष उड़ान (केयू 5632) कोलंबो के रास्ते कोच्चि पहुंची। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह विमान विशेष रूप से केवल शवों को भारत लाने के लिए ही संचालित किया गया था और इसमें कोई अन्य यात्री सवार नहीं था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से कुवैत में विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से जान गंवाने वाले इन भारतीयों के शव वहां फंसे हुए थे। हालांकि इन मौतों का वर्तमान युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, लेकिन इस क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानों के शेड्यूल में आई दिक्कतों ने इस पूरी प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया था। विमान के लैंड करते ही सभी 20 पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी गई। मरने वालों में अधिकांश लोग केरल के कोझिकोड, अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों के निवासी थे। इसके अतिरिक्त, कुछ शवों को सड़क मार्ग से तमिलनाडु भी भेजा जाना है। हवाई अड्डे पर एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित कर लिए गए थे ताकि परिजनों को और अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कुवैत में फंसे इन पार्थिव शरीरों की घर वापसी का मामला कूटनीतिक और लॉजिस्टिक कारणों से लंबे समय से लंबित था। अब सभी कानूनी और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके शोक संतप्त परिजनों को सौंप दिया गया है। क्षेत्रीय तनाव के बीच इस मानवीय मिशन का सफल होना उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जो हफ्तों से अपने प्रियजनों के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे थे।

बीजू पटनायक पर दिए बयान पर बढ़ा विवाद.. सांसद निशिकांत दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी

नई दिल्ली। झारखंड की गोड्डा सीट से लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया था कि बीजू पटनायक 1960 में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी थे। बीजेपी सांसद दुबे के बयान पर काफी हंगामा हुआ। ओडिशा की विपक्षी पार्टी बीजेडी ने विधानसभा में खूब हंगामा किया। इतना ही नहीं, ओडिशा के भाजपा नेताओं ने को भी उनका बयान पंसद नहीं आया। अपने बयान पर हंगामा बढ़ता देख अब सांसद दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ता मीडिया से बात करते हुए मैनें नेहरु गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भारत के अग्रणी नेताओं में स्थान रखने वाले आदरणीय बीजू पटनायक जी के संदर्भ में मेरी बातों से गलत अर्थ निकाला गया। नेहरु जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू बाबू के ऊपर समझा गया। बीजू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के स्टेट्समैन रहे हैं और रहने वाले हैं। मेरे वक्तव्य से यदि भावनाएं आहत हुई हैं, तब मैं बिना शर्त क्षमा चाहता हूं। दरअसल दुबे ने कहा था, अमेरिका ने तिब्बत पर चीन के कब्जे के डर से वहां अपनी सेना और सीआईए एजेंट भेजे थे। दलाई लामा और उनके भाई अमेरिकी सरकार के लगातार संपर्क में थे। नेहरू ने चीन से 1962 का पूरा युद्ध अमेरिकी धन और सीआईए एजेंटों के सहयोग से लड़ा था। ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिकी सरकार, सीआईए और नेहरू के बीच कड़ी का काम करते थे। सांसद दुबे ने कहा था कि ओडिशा का चारबतिया हवाई अड्डा, जिसमें बीजू पटनायक की महत्वपूर्ण भूमिका थी, यू2 विमानों का अड्डा था और इस हवाई अड्डे पर 1963 से 1979 तक अमेरिकी सेना तैनात थी। बता दें कि सोमवार को बीजेडी के सांसदों ने राज्यसभा में बीजू पटनायक के कथित अपमान का जोरदार विरोध किया, और इसका असर ओडिशा की सड़कों पर भी देखा गया, जहां युवाओं और छात्रों ने प्रदर्शन किया और भाजपा सांसद का पुतला फूंका। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के बारे में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणी के खिलाफ मंगलवार को राज्य विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और उनके विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित करने की मांग की।

लोकसभा में 50फीसदी वृद्धि से उत्तरी राज्यों को फायदा, दक्षिण भारत को नुकसान

-केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान, कांग्रेस ने इस कदम को बताया अन्यायपूर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 फीसदी तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। मीडियचा रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50फीसदी की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर हर राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का संख्याबल कमजोर हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रमेश ने कहा कि लोकसभा में कई राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने

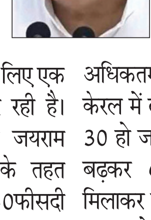

कहा कि उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ यूपी की लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह केरल में लोकसभा की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा। रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी एकतरफा कानून तैयार कर रहे हैं जिससे दक्षिण, पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा।

उत्तर भारत में बेमौसम बारिश से खड़ी फसल हुई आड़ी, 19 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

बारामुला में भारी बारिश से स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने निकाला

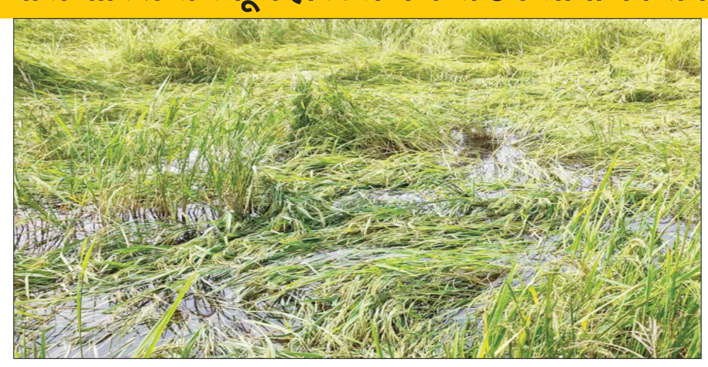

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मौसम बदलने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश और पंजाब समेत देश के 19 राज्यों में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। यह बेमौसम बारिश रबी की फसलों, खासकर गेहूं और सरसों, के लिए बेहद हानिकारक साबित हो रहा है। तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में खड़ी पकी फसलें आड़ी हो गई हैं, जिससे उनके सड़ने और फफूंद लगने का खतरा बढ़ गया है।

दिल्ली और पंजाब समेत मैदानी इलाकों में मंगलवार को मौसम ने अचानक बदल गया। दिल्ली के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद घने बादल छाने और बिजली कड़कने के साथ मौसम एकदम से बदल गया। दिन में ही लोग गाड़ियों की लाइट जलाकर चलते नजर आए। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री ज्यादा था। हवा में नमी का स्तर 96 से 36 प्रतिशत दर्ज हुआ। पंजाब में कई जिलों में ओलावृष्टि के साथ बारिश भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक कश्मीर के बारामुला में भारी बारिश के कारण पानी का स्तर अचानक बढ़ जाने से एक स्कूल हास्टल में फंसे 34 लोगों को सेना ने सुरक्षित निकाल लिया। इनमें 30 छात्र और चार शिक्षक शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के बाद फिसलन के कारण श्रीनगर-लेह व बांडीपोरा-गुरेज मार्ग पर भी यातायात बहाल नहीं हो सका।

कश्मीर की गुरेज घाटी में दोपहर को हिमस्खलन हुआ, लेकिन आसपास कोई आवासीय बस्ती नहीं होने के चलते जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। उधर हिमाचल में बारालाचा, कुंजुम और रोहतांग दर्रा में मंगलवार को हल्का हिमपात हुआ, जबकि केलंग में पांच, चंबा में दो मिलीमीटर बारिश हुई। कश्मीर में तेज और मूसलाधार बारिश के कारण रफियाबाद के वतरगाम इलाके में एक नाले में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया, जिससे एक स्थानीय स्कूल हास्टल में बाढ़ आ गई। इससे वहां स्कूली बच्चे और शिक्षक परिसर के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में तैनात सेना की टुकड़ी से संपर्क किया, जिसने तुरंत मानवीय सहायता अभियान शुरू किया। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और खतरनाक रूप से ऊंचे जल स्तर के बावजूद टीमों ने फंसे हुए लोगों तक पहुंचने में सफलता पाई और सभी 34 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया। हिमाचल प्रदेश में गोंदला व केलंग जैसे उच्च इलाकों में मंगलवार को हिमपात हुआ। बीआरओ ने 16580 फीट ऊंचे शिंकुला के रास्ते को बहाल कर दिया है।

'समुद्री पौधा' बताकर जैन व्यापारी को मछली खिलाने का आरोप, बाबा अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

-यौन उत्पीड़न और आपत्तिजनक वीडियो मामले में पहले से हैं घिरे

पुणे (एजेंसी)। अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में अब दिन-ब-दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को धोखा देकर मछली को 'समुद्री पौधा' बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोके का कारोबार एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि छह साल तक चलता रहा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली खाता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं बल्कि समुद्र में उगने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि आती है। आरोप है कि खरात ने अपने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए दावा किया कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और वह खून भी नहीं बहाती, इसलिए उसे पौधे की तरह माना जा सकता है। इन दलीलों के जरिए उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूले।

धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। कई बड़े व्यापारी भी उनके प्रभाव में आकर उनसे व्यापार और भविष्य को लेकर सलाह लेते थे।

आपत्तिजनक वीडियो और यौन उत्पीड़न के आरोप

कथित बाबा के मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार का मामला सामने आया। राज्यभर में 100 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं, जबकि विशेष जांच टीम ने सोशल मीडिया से करीब 3,500 लिंक हटाए हैं। पुलिस के अनुसार, अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक

से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के 11 मामले दर्ज हो चुके हैं।

जांच जारी, और खुलासों की संभावना

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। यह घटना धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले धोखे और अंधविश्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

- सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख

- पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा

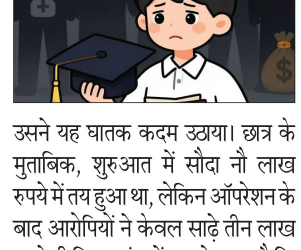

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है।

इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे दो अन्य डॉक्टरों और चार सहयोगियों की तलाश में जुटी है, जो इस अवैध मानव अंग व्यापार के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया 14 करोड़ का माल बरामद, 25 ने किया सरेंडर

चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले, इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल

बस्तर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे की डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल बरामद हुआ है। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है। इसी तरह चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले। इसमें दंतेवाड़ा में पांच, सुकमा में दो और कांकेर में दो नक्सली शामिल हैं। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं, कांकेर में अब भी 14 नक्सली सक्रिय हैं, पुलिस इनसे संपर्क की कोशिश कर रही है।

बीजापुर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 25 नक्सलियों ने 93 हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल हैं। सभी पर 1.47 करोड़ का इनाम घोषित किया गया था। इनमें मंगल कोरसा ऊर्फ मोटू, आकाश ऊर्फ फागु उईका, डीवीसीएम शंकर मुचाकी, एसीएम राजू रैयाम ऊर्फ मुन्ना, एसीएम पाले कुरसम जैसे बड़े नक्सली शामिल हैं। मंगल 8 लाख का इनामी रहा है और 12 बड़ी घटनाओं में शामिल है। शंकर मुचाकी (33) भी 8 बड़े वारदातों में शामिल रहा। पाले कुरसम पांच घटनाओं में शामिल था।

जिले में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल 1003 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया है। इसके पहले 5.37 करोड़ का डंप मिला था, जिसमें 1.64 करोड़ का 1 किलो सोना और 3.73 करोड़ कैश था। इस प्रकार अब तक 19.43 करोड़ का डंप मिला है। जिसमें 6.63 करोड़ कैश और 12.80 करोड़ का 8.20 किग्रा सोना शामिल है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में 31 मार्च को 'पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े पांच नक्सली मुख्यधारा में लौटे हैं। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं।

पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है। सुकमा में दो महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और पांच लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

पिछले कांग्रेस शासन ने पंजाब में ग्रामीण विकास को नजरअंदाज किया: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पीने के पानी, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और अन्य जरूरी सेवाओं पर 1,336.70 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे और यह फंड जिला परिषदों, पंचायत समितियों और पंचायतों के माध्यम से जारी किए गए थे। उन्होंने आगे कहा, पंजाब सरकार ने गांवों में शामलात जमीनों को लीज पर देकर आय में वृद्धि की है। पंचायती जमीनों से अवैध कब्जे हटाए गए हैं, जिससे राज्य का राजस्व बढ़ा है। चार वर्षों में राज्य सरकार ने शामलात जमीन को लीज पर देकर 1,842.78 करोड़ रुपये कमाए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, वर्ष 2025-26 में पिछले साल के मुकाबले राजस्व 50.75 करोड़ रुपये बढ़ा है। लगभग 1.35 लाख एकड़ जमीन लीज पर दी गई, जिससे 520.54 करोड़ रुपये का राजस्व आया, जबकि 2024-25 में 469.79 करोड़ रुपये आए थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, नौजवानों की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए लगभग 3,000 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं और इस पर 1,166 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। ये मैदान 6,500 एकड़ क्षेत्र में फैले होंगे, जिनके लिए 3,148 स्थानों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा, 2,400 मैदानों पर काम पहले ही शुरू हो चुका है और इनमें से अधिकांश इस वर्ष जून तक पूरे हो जाएंगे, जिनमें वॉलीबॉल कोर्ट, फुटबॉल मैदान, बच्चों के खेलने का सामान और बैठने की व्यवस्था जैसी सुविधाएं होंगी। उन्होंने कहा, राज्य के इतिहास में पहली बार पंचायत घरों का निर्माण किया गया है। दूसरे चरण में 125 करोड़ रुपये के बजट से 500 आधुनिक पंचायत घर बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, प्रति इमारत 25 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं और पहले चरण में 373 इमारतें पहले ही पूरी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने गांवों में 251 लाइब्रेरियां बनाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिनमें से 231 पहले ही पूरी हो चुकी हैं। इसका उद्देश्य गांवों के लोगों को साहित्य से जोड़ना और नौजवानों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करना है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मनरेगा योजना के बारे में बात करते हुए कहा, 2017-2022 तक केवल 4,708 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, जबकि 2022 से अब तक 5,146 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। 8.96 लाख लोगों को रोजगार मिला है और 2.40 करोड़ दिहाड़ियों का रोजगार सृजित हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, 2025-26 में लगभग 63,357 नए जॉब कार्ड जारी किए गए थे, जिनमें से 2,480 दिव्यांग व्यक्तियों के लिए थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब मनरेगा योजना में तर्कहीन संशोधनों का सख्त विरोध करता है। पंजाब विधानसभा ने केंद्र सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनों का विरोध किया था, जो ग्रामीण रोजगार को कम कर सकते हैं। ऐसी प्रतिबंध-आधारित संशोधन गैर-वाजिब हैं क्योंकि ये संशोधन ऐसी योजनाओं के मकसद पर गंभीर सवालिया निशान लगाते हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने ग्रामीण परिवारों के लिए आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए अनुकरणीय पहल की हैं। इस वर्ष 76 हजार घरों के लिए मंजूरी दी गई थी, जिनमें 30 हजार बाढ़ प्रभावित परिवार शामिल थे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 2016-2022 तक राज्य में केवल 39 हजार घर बनाए गए थे, जबकि इस वर्ष राज्य सरकार ने समाज के गरीब वर्ग के लिए एक लाख घर बनाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार ने 17,080 गांवों के तालाबों की सफाई के लिए बड़ी योजना शुरू की है। 13,414 तालाबों से पानी निकाला गया है और 4,706 तालाबों से गाद निकालने का काम पूरा हो गया है, जिसके लिए 235 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सभी जातियों और उप-जातियों के जीवन स्तर का मूल्यांकन करना है ताकि उनकी भलाई के लिए नीतियां बनाई जा सकें। इस उद्देश्य के लिए 250 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें 28,000 गणनाकार तैनात किए जाएंगे और प्रत्येक को 62,500 रुपये मानभत्ता मिलेगा। उन्होंने कहा, नशों के विरुद्ध जंग में राज्य के सभी गांवों ने अपना समर्थन दिया है। मैं पंचायतों और वॉलंटियरों का नशा विरोधी प्रयासों में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए दिल से धन्यवाद करता हूं क्योंकि पहले ही 1.25 लाख सदस्य इस मुहिम में शामिल हो चुके हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 12 हजार विलेज डिफेंस कमेटियां बनाई गई हैं और वॉलंटियर 'गांव के सरपरस्त' के रूप में काम कर रहे हैं। कई नशा तस्करों को इन कमेटियों की रिपोर्टों के आधार पर गिरफ्तार किया जाता है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 23 जिलों की 100 अग्रणी महिला उद्यमियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया। उन्हें 25,000 रुपये प्रति व्यक्ति भी दिए गए। उन्होंने कहा, 117 विधानसभा क्षेत्रों में 11,700 महिलाओं को सम्मानित किया गया है और 2,300 महिलाओं को जिला स्तर के कार्यक्रमों में सम्मानित किया गया है। मिशन के तहत 58,303 स्व-सहायता समूह बनाए गए हैं और 5.89 लाख परिवारों को जोड़ा गया है, जिन्हें 147 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, महिला सशक्तिकरण पहल के हिस्से के रूप में महिलाओं को डेयरी फार्मिंग से जोड़ने के लिए नई योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 1,100 दूध सहकारी समितियां रजिस्टर्ड की गई हैं और महिलाओं को 18 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण दिए गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ये समितियां मिल्कफेड को रोजाना एक लाख लीटर दूध सप्लाई कर रही हैं। पूरे पंजाब में सखी शक्ति मेले लगाए गए थे, जिनमें 1,500 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया और उनके द्वारा तैयार किए गए नौ करोड़ रुपये के उत्पाद बेचे गए। उन्होंने कहा, समन्वय को बेहतर बनाने के लिए पहली बार विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार क्लस्टरों को पुनर्गठन किया गया है। ग्रामीण विकास अधिकारियों और पंचायत सचिवों को राज्य कैडर में शामिल कर दिया गया है। कार्य कुशलता में सुधार लाने के लिए, राज्य में 3,327 पंचायत विकास सचिवों के लिए प्रांतीय कैडर बनाया गया है। एक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, केंद्र सरकार पंजाब के साथ सौतेली माँ वाला सलूक कर रही है। आरडीएफ, जीएसटी, एनएचएम और अन्य ग्रांट्स को केंद्र ने रोक रखा है। इसका एकमात्र कारण यह है कि पंजाब में भाजपा को वोट नहीं मिलते, जिस कारण केंद्र सरकार पंजाब के साथ अन्याय कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्र द्वारा आवंटित आपदा प्रबंधन फंड बहुत कम है और जनता के बड़े हित में इसमें संशोधन की आवश्यकता है। राज्य इस भेदभाव का सख्त विरोध करेगा और राज्य का जायज हिस्सा प्राप्त करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। इस मुद्दे को कानूनी और प्रशासनिक रूप से हर प्लेटफॉर्म पर उठाया जाएगा। एक और सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह हैरान करने वाली बात है कि पंजाब कांग्रेस के नेता अपनी पार्टी की अगुवाई वाली हिमाचल सरकार द्वारा एंट्री टैक्स लगाए जाने पर चुप्पी साधे बैठे हैं, जबकि यह मुद्दा पंजाबियों के एक बड़े हिस्से से संबंधित है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एक तरफ राज्य सरकार टोल टैक्स खत्म कर रही है और आम आदमी को राहत दे रही है, वहीं दूसरी तरफ पड़ोसी राज्य लोगों पर बिना जरूरी टैक्स लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, राज्य सरकार गेहूं की फसल की सुचारू और परेशानी मुक्त खरीद तथा लिफ्टिंग के लिए वचनबद्ध है और इसके लिए व्यापक प्रबंध पहले ही कर लिए गए हैं। सुचारू खरीद को खतरे में डालने के लिए अपनाई जा रही ब्लैकमेलिंग की रणनीति को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसी ताकतों के विरुद्ध अनुकरणीय कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब के इतिहास में पहली बार एक अच्छी सरकार काम कर रही है, जबकि पहले वाली सरकारें लोगों को लूटने तक सीमित थीं। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार किसानों की जमीन से गुजरने वाली हाई टेंशन तारों को जमीनदोज करने की संभावना की पड़ताल कर रही है और रणनीति बनाई जा रही है।

देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनने की राह पर हरियाणा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ। हिसार में विकसित किए जा रही इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) परियोजना के दम पर हरियाणा देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनने जा रहा है। लगभग 2,988 एकड़ क्षेत्र में फैली यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-52 और राष्ट्रीय राजमार्ग-09 से जु ?ी है तथा प्रस्तावित हिसार एविएशन हब के निकट स्थित है। आईएमसी को अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक कॉरिडोर (एकेआईसी) के तहत विकसित किया जा रहा है, जिससे हिसार को राष्ट्रीय औद्योगिक नेटवर्क में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा। संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि हिसार आईएमसी परियोजना प्रदेश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक ब ?ा कदम है। मजबूत संस्थागत सहयोग, रणनीतिक योजना और प्रभावी क्रियान्वयन के बल पर यह परियोजना निवेश आकर्षित करने, रोजगार सृजन और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक में बताया गया कि प्रस्तावित मास्टर प्लान के अनुसार लगभग 61 प्रतिशत भूमि औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है, जबकि शेष क्षेत्र हरित क्षेत्र, उपयोगिताओं और बुनियादी ढांचे के लिए रखा गया है। परियोजना में एयरोस्पेस एवं रक्षा, इंजीनियरिंग एवं फैब्रिकेशन, खाद्य प्रसंस्करण, परिधान उद्योग तथा लॉजिस्टिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिससे विविध और सतत औद्योगिक विकास को ब ?ावा मिलेगा। परियोजना के लिए शत-प्रतिशत भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है तथा नेशनल प्लानिंग ग्रुप (एनपीजी) से स्वीकृति समेत प्रमुख स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। चरण-1 के लिए पर्यावरण स्वीकृति भी मिल चुकी है। कच्चे पानी के जलाशय का निर्माण, कैनाल री-एलायनमेंट तथा विद्युत आपूर्ति योजना जैसे महत्वपूर्ण अवसंरचना कार्यों पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। एक हाई वोल्टेज विद्युत लाइन को हटाया जा चुका है और शेष कार्य भी तेजी से प्रगति पर हैं, ताकि अवसंरचना विकास निर्बाध रूप से आगे ब? सके। बैठक में नागरिक उड्डयन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री पंकज अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, एचवीपीएनएल के प्रबंध निदेशक डॉ. आदित्य दहिया और एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री सुशील सारवान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीगंगानगर में पकड़ा गया पाकिस्तानी गैंगस्टर का सहयोगी

श्रीगंगानगर। जिले में लालगढ़ जाटान थाना पुलिस ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया। आरोपी लंबे समय से पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था और उसके निर्देश पर भारत के कई महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी करता था। पुलिस ने गिरफ्तार युवक की पहचान आकाशदीप पुत्र पीरा सिंह (19) निवासी 12 मोहल्ला केसरीसिंहपुर, वर्तमान में चक केरा (श्रीगंगानगर) के रूप में की है। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने बताया कि आरोपी बदमाश प्रवृत्ति का है और गांव में कुछ लोगों को पाकिस्तानी आतंकवादियों से संपर्क होने की धमकी देता था। आरोपी के पास मोबाइल नंबर 9079910356 था। कॉन्स्टेबल गुरजीत सिंह की सूचना पर उसे थाने लाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने शहजाद भट्टी के साथ इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर बातचीत करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रीयलमी कंपनी का पुराना मोबाइल जब्त किया। मोबाइल में सिम नंबर 9079910356 लगी थी। इंस्टाग्राम आईडी आईडी से भारत-पाकिस्तान के लोगों के साथ वॉइस चैट और +92 कोड वाले नंबरों पर जानकारी साझा की गई। गैलरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) से शहजाद भट्टी के साथ फोटो एडिट की हुई मिली। व्हाट्सएप पर +923249695402 नंबर पर भेजे गए मैसेज का जवाब अंगूठे के निशान से आया था। आरोपी शहजाद भट्टी को फॉलो करता था और उसकी पोस्ट्स को लाइक व कमेंट करता था। पूछताछ में आकाशदीप ने बताया कि शहजाद भट्टी के कहने पर उसने भीड़-भाड़ वाली प्रमुख जगहों की रेकी की, वीडियो बनाए और व्हाट्सएप के जरिए पाकिस्तान भेजे। उसने इन जगहों तक पहुंचने का पूरा प्लान भी साझा किया। आरोपी के तार अंबाला के बराड़ा-दोसड़का रोड स्थित गांव सिंबला के पास से बरामद आरडीएक्स, आईईडी, डेटोनेटर और बैट्री मामले से भी जुड़े हुए हैं। यह आरडीएक्स पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी के जरिए अमृतसर पहुंचाया गया, जो ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से पंजाब भेजा गया। आरोपी ने शहजाद भट्टी के निर्देश पर पंजाब के कई जिलों के थानों के अलावा राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़ और हरियाणा के अंबाला में विभिन्न महत्वपूर्ण जगहों की रेकी की। इन जगहों के वीडियो पाकिस्तान भेजे गए। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और इसके नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

दिल्ली नशा मुक्ति केंद्र में हत्या- गाली देने का बदला बना वजह, इंजीनियर ने युवक को चाकू से गोदा; गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर स्थित नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक इंजीनियर ने गाली देने पर एक युवक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त बुराड़ी निवासी 22 वर्षीय अरुण कुमार के रूप में हुई है। नशे की वजह से उसे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने मौके से आरोपी त्रिनगर निवासी 27 वर्षीय अरुण जोशी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चाकू बरामद कर लिया है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी. स्वामी ने बताया कि बृहस्पतिवार देर रात अलीपुर थाना पुलिस को हिरंकी गांव स्थित कश्मीरी कॉलोनी में किरणदीप फाउंडेशन नामक नशा मुक्ति केंद्र के अंदर चाकूबाजी की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। परिसर में खून बिखरा हुआ मिला। जांच में पता चला कि घायल युवक को पहले ही बुराड़ी अस्पताल ले जाया जा चुका है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बुराड़ी के सत्य विहार निवासी अरुण कुमार के रूप में हुई। उसके पिता मोनू रिक्शा चालक हैं। परिजनों ने बताया कि वह किशोरावस्था से ही नशे का आदी था, जिसके चलते उसे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की और केंद्र में मौजूद आरोपी अरुण जोशी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि कुछ दिन पहले दोनों के बीच झगड़ा हुआ था, जिसमें मृतक ने उसे गाली दी थी। उसी का बदला लेने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया। जांच में सामने आया कि आरोपी केशव पुरम के त्रिनगर में परिवार के साथ रहता है। उसने 2019 में रोहिणी स्थित गुरु नानक देव इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से केमिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उसके पिता महेश जोशी घर के पास किराए पर मेडिकल की दुकान चलाते हैं।

NAME CHANGE

I, NO-14939453N Rank-NK Name-RAJU YADAV residing at VILL-DHAVA BANGRA, PO-SHAKTI BHAIRON, TEHSIL-NIWARI, DIST-NIWARI, MADHYA PRADESH-472446, have changed my minor son's name from ABHAY SINGH to ABHAY YADAV for all future purposes vide affidavit dated 01/04/2026 Before Notary Public, Delhi.

Public Notice

I, Rukiya Shekh W/o Musa Shekh R/O 324-A, First Floor, Hari Nagar, Ashram, PO Jungpura, Distt. South Delhi, Delhi-110014 declare that the real and correct name of my father is Romjan Mandal and my correct date of birth is 01.01.1973.

NAME CHANGE

I, NO-6503580Y, Rank-SEP/ASH, Name- ANUJ KUMAR AWASTHI residing at VILL-BAKEWAR, PO-BAKEWAR, TEH-BINDKI, DIST-FATEHPUR, UTTAR PRADESH-212657 have changed my father's name from SURESH KUMAR AWASTI to SURESH AVSTHI for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my client Smt. Bina Devi W/o Late Hiramani Lakhera R/o Flat No.117, DDA SFS Flats, Pocket-1, Sector 5, Dwarka, South West Delhi, Delhi-110075, disowned, debarred and disinherited her son RAVINDER PARSAD LAKHERA and daughter-in-law namely SONIYA LAKHERA W/O RAVINDER PARSAD LAKHERA from all ber Movable and Immovable properties, due to their adamant arrogant, disobedience misconduct and misbehavior towards my client. Henceforth, anybody dealing with them, may do so at his/her own risk and consequences and my above said client shall not be held liable for any of the acts, deeds and things done by them."

G. K. SACHDEVA Advocate
Dwarka Court Bar Room, Lawyers Chamber Dwarka Court Complex, Sector-10, Dwarka, New Delhi-110075

NAME CHANGE

I, VARSHA W/o Ranju Kumar R/o 1/10369, Gali No.1, Opp. Ganesh Dairy, West Gorakh Park, Shahdara, Delhi-110032, have changed my name from VARSHA SOOD to VARSHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I have changed my name from Ajay Krishna Srivastava to Ajay Krishan Srivastava henceforth to be known as Ajay Krishan Srivastava S/o Gorakh Prasad Srivastava, R/o 2343 Tower 11, Purvanchal Royal City Sec CHI V Greater Noida 201310 (UP).

NAME CHANGE

I, MANISH KUMAR S/o Ram Avtar R/o KB-20, Phase-2, Sector-6, RBI Colony, R.K Puram, Delhi-110022, have changed my name to MANISH permanently.

NAME CHANGE

I, DEEPAK S/o Daya Ram R/o B-37 A, Shivangi Kunj, Opposite BG-1, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to DEEPAK KHAZOTIA permanently

NAME CHANGE

I Harminder Pal S/0 Harbash Singh Bhatia R/0 K 87 Laxmi Nagar Delhi 110092 Changed my name to Harminder Pal Bhatia

NAME CHANGE

I GURPREET KAUR CHEEMA W/O RAHUL CHOUDHARY R/O 2263, FIRST FLOOR TYPE II, LODHI ROAD COMPLEX, NEW DELHI, 110003 HAVE CHANGED MY NAME TO GURPREET KAUR FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE

I hitherto known as LAVKESH KUMAR JANMEDA S/o BIJENDRA KUMAR JANMEDA R/o House No - 693 , Village – Chaurauli , Jewar , Gautam Buddha Nagar , Jewar , Uttar Pradesh - 203135 have changed my name and shall hereafter be known as LAVKESH KUMARA .

NAME CHANGE

I, KRISHNA KUMARI PANDEY W/o HARISH KUMAR PANDEY R/o 16/391 First Floor , Block - 16 , Kalyanpuri , PO : Patparganj , Dist : East Delhi , Delhi - 110091 have changed the name of my minor son MAYANK PANDEY aged 14 years and he shall hereafter be known as LAKSHAY PANDEY.

NAME CHANGE

I, OVAISE KARNI LONE S/o Mohammad Maqbool Lone R/o House No.F-28, 4th Floor, F-Block, Cribs Hospital, Shaheen Bagh, Abul Fazal Enclave-1, Delhi-110025 have changed my name to OVAISE KARNI.

NAME CHANGE

I, KOUSAR YOUSUF W/o OVAISE KARNI R/o House No.F-28, 4th Floor, F-Block, Cribs Hospital, Shaheen Bagh, Abul Fazal Enclave-1, Delhi-110025 have changed my name to QUASER YOUSUF.

NAME CHANGE

I, MOHD SALMAN SON OF MR. SARFUDDIN RESIDENT OF E-212/6, SHAHEEN BAGH, ABUL FAZAL ENCLAVE PART-II, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025 have changed my father's name from MOHD SHARFUDDIN to SARFUDDIN for all future purposes.

NAME CHANGE

I, MONIKA D/O ARJUN SINGH residing KH NO-115/9, BABA HARIDAS GITANJALI ENCLAVE, NAJAFGRAH, JHARODA KALAN, DELHI-110072. have changed my name to MONIKA KUMARI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SIDDHI D/O VIVEK SINGH residing PLOT NO-07, BABA HARIDASS ENCLAVE, GEETANJALI ENCLAVE, JHARODA KALAN, DELHI-110072. have changed my name to SIDDHI SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SAMSHER SACHDEVA S/o RAJ KUMAR, residing E-35, GANESH NAGAR, PANDAV NAGAR COMPLEX Delhi 110092. have changed my name to SHAMSHER SACHDEVA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, SUTOPA GHOSH, wife of JC-673795Y Rank-SUB/PA Name - SAMIRAN GHOSH presently residing at TANTIPARA (PATAL PUKUR PAR), NISHANTALA, PO-KATWA, PS- KATWA, DISTT- PURBA BARDHAMAN, WEST BENGAL-713130, have changed my name from SUTOPA GHOSH to SUTAPA GHOSH for all future purposes, vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SHOBHA GHOSH, mother of JC-673795Y Rank-SUB/PA Name - SAMIRAN GHOSH presently residing at VILL-KHENAI BANDA, PO-KULAI, PS- KETUGRAM, DISTT- PURBA BARDHAMAN, WEST BENGAL-713143, have changed my name from SHOBHA GHOSH to SHOBHARANI GHOSH for all future purposes, vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I,JINAT KHAN W/O AKIL KHAN R/O BB-105, BAGRINA BASTI NABI KARIM SWAMI RAM TIRTH NAGAR NEW DELHI 110055, CHANGED MY NAME TO ZEENAT KHAN

NAME CHANGE

I, PRAMOD GUPTA S/O OM PRAKASH GUPTA R/O H.NO-B-31/1 STREET NO 5 B BLOCK BHAJAN PURA DELHI 110053, CHANGED MY NAME TO PARMOD KUMAR GUPTA.

NAME CHANGE

I hitherto known as SURILA DEVI D/o JEET RAM W/o SANJEEV KUMAR R/o DG - 26 , Block - 13 , Kalyanpuri Dhovi Ghat, Shamas Pur, East Delhi, Delhi - 110091 have changed my name and shall hereafter be known as SUSHILA DEVI.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री रनबीर सिंह सुपुत्र श्री बदलूराम और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला, दोनो निवासी आर0जैड0-19, जी-ब्लाक, न्यू रोशन पुरा नजफगढ नई दिल्ली-110043 ने अपने पुत्र श्याम सुन्दर व पुत्रवधू श्रीमती चंचल और पौत्र हितेश भारद्वाज उम्र 14 वर्ष और अपने दूसरे पुत्र श्री कृष्णदत्त व पुत्रवधू श्रीमती लता और पौत्र दैनिश भारद्वाज उम्र 13 वर्ष को उनके अभद्र व्यवहार व नियंत्रण में नहीं होने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पति से बेदखल कर दिये है, और अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये है अगर भविष्य में उपरोक्त पुत्रों, पुत्रवधूओं व पौत्रों से किसी प्रकार का लेन-देन, कोई नैतिक, अनैतिक व्यवहार करता है तो वह उसका स्वंय जिम्मेदार होगा, इसमें मेरे मुवक्किल का कोई लेना देना नही होगा और ना ही किसी प्रकार की जवाबदेही होगी।

सुरजीत सिंह सैन अधिवक्ता
हॉल न01, सीट नम्बर-8 जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट द्वारका, नई दिल्ली-110075

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as Bhagnvati W/O Ashok Kumar, R/O VTC: Azmapungarhi, PO: Geralel Silondrabad, Sub District: Gautam Buddha Nagar, District: Gautam Buddha Nagar, State: Uttar Pradesh,: 203202, have changed my name and shall hereafter be known as MAGAN DEVI.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अनिल शर्मा उर्फ अनिल कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी मकान संख्या 113, डूंडाहेडा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201009, एक आवासीय प्लाट संख्या आर - 4, क्षेत्रफल 90 वर्ग गज, खसरा संख्या 16, स्थित शिव आदर्श कॉलोनी, ग्राम , ग्राम डूंडाहेडा, परगना लोनी, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1426-1431 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल कथित सम्पत्ति को श्रीमती सलविंदर कौर पत्नी जसपाल सिंह को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

PUBLIC NOTICE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENT, that my Clients, Shri Ranbir Singh So Shri Badlu Ram and his wife Smt. Shankuntala Wio Shri Ranbir Singh both Rio RZ-19, G-Block, New Roshanpura, Najafgarh, South-West, New Delhi-110043, have debarred and disowned their son named Shyam Sunder, his wife Smt. Chanchal their son Hitesh Bhardwaj aged 14 years & their another son named Krishan Dutt, his wife Smt. Lata and their son Danish Bhardwaj aged 13 years, from their all moveable and immovable properties, whatsoever because of their greed, behaviors and bad activities. Any person dealing with them in any manner will do so at their own risk, cost and consequences and my clients will not be responsible for any of their acts and deeds in future.

SURJEET SINGH SAINI, Advocate
Office Seat No. 8, Hall No.1, Lawyer's Chamber Block, Dwarka Court, Sector-10, New Delhi-110075

PUBLIC NOTICE

Mr. Saurabh Kumar and Mr. Sachin Kumar Owner of the Residential House no HIG DUPLEX -236 , , Nyay Khand III Indirapuram, Ghaziabad, Tehsil & Distt., Ghaziabad, U.P. Mr. Saurabh Kumar and Mr. Sachin Kumar have lost Original Reservation letter dated 18.08.1991 issued by Ghaziabad Development Authority, in favour of Mrs. Mumtaz alim Khan and allotment letter issued by Ghaziabad Development Authority, in favour of Mrs. Mumtaz alim Khan and Transfer letter for house change in house no 450 in favour of Mrs. Mumtaz alim Khan and Transfer letter for house change from 450 in house no 236 in favour of Mrs. Mumtaz alim Khan and possession Letter issued by Ghaziabad Development Authority, in favour of Mrs. Mumtaz alim Khan of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumar gupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I, ALKA RAY Wife of JC-672510P Rank-SUB MAJ Name-SATYA JEET RAY Presently residing at VILL-UDAIPUR, PO-UDAIPUR, TEH-LALGANJ AGHARA, DIST-PRATAPGARH, UTTAR PRADESH-230125, have changed my name from ALKA RAY to ALKA SHRIVASTAVA for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Geeta Devi W/O: Ajab Singh, R/O 43, 1, Jagat Pur ilaqa Delhi, PO: Burari, DIST: North Delhi, Delhi - 110084, have changed my name and shall hereafter be known as Geeta.

Public Notice

I hitherto known as RAJEEV KUMAR BHATNAGAR alias RAJEEV KUMAR son of RAVINDRA NATH BHATNAGAR,residing at A-14, PATEL GARDEN KAKROLA MOR, D.K MOHAN GARDEN WEST DELHI,DELHI-110059,have changed my name and shall hereafter be known as RAJEEV KUMAR BHATNAGAR.

NAME CHANGE

I, Anil Kumar Pihal S/O Om Prakash R/O R-261 The Ultima DLF Garden City Sector-81 Gurgaon 122004 I Have Changed My Name To Anil Kumar

NAME CHANGE

I Dinesh Kumar S/o Raghuvar Dyal R/o E-135, THIRD FLOOR, NARAINA VIHAR, NARAINA, Naraina Village, PO:Naraina Industrial Estate, DIST:South West Delhi, Delhi, 110028 have changed my name to Dinesh Kumar Agarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SATYENDRA KUMAR S/O PADAM SINGH R/O FLAT NO-104, GROUND FLOOR, PLOT NO-546, NITI KHAND-1, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014, HAVE CHANGED MY NAME TO SATYENDRA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, JYOTI YADAV W/O DEEPAK YADAV R/O POST-KHAIRA, KHARKHARI NAHAR, SOUTH WESTDELHI, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO JYOTI FOR ALL FUTURE PURPOSE.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
84–भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सन्नी शर्मा पुत्र राकेश शर्मा पता वशीम का मकान निकट प्रकाश मार्बल, पावी पुस्ता पूजा कॉलोनी, लोनी गाजियाबाद यूपी ने एफआईआर संख्या 08/2020 धारा 307 भा. द.स एवं 27/54/59 ए एक्ट के तहत** थानाः करावल नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सन्नी शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सन्नी शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 08/2020 धारा 307 भा.द.स. एवं 27/54/59 ए एक्ट के तहत थाना करावल नगर, दिल्ली के उक्त सन्नी शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **19.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
इसरा जैदी
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं.64, चौथी तल, उत्तर पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4249/NE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहित कुमार, पुत्रः मदन पाल, निवासीः मकान नंबर–14, गली नंबर–08, साईं मंदिर के पास, चमन विहार, लोनी, गाजियाबाद** ने **FIR No.: 519/2012, U/s: 420/174A/34 IPC, पुलिस थाना करावल नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मोहित कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मोहित कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना करावल नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **मोहित कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 04.05.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा जैदी
जेएमएफसी–04, चौथी मंजिल, उत्तर पूर्व जिला, कमरा नंबर 64
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4171/NE/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अर्जुन नाथ, पुत्र:** जगन नाथ, **निवासी:** तिवारी का मकान, गाँव भोवापुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **FIR No. 82/2017, U/s 380/457/411/34 IPC, थानाः मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन नाथ** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन नाथ** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 82/2017, U/s 380/457/411/34 IPC, थानाः मॉडल टाउन, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन नाथ** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सहलोथ
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03 (उत्तर)
कमरा नं. 213, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3983/NW/2026
(Court Matter)

NAME CHANGE

I Harinder Kumar Mehta S/o Dhalu Ram Mehta R/o flat no 1501, Tower 4, Takshila Heights , Sector 37 C, Gurugram, Haryana - 122001 have changed my name to Harinder Mehta

NAME CHANGE

I Anju Tomar w/o David, House No. E-81 Second Floor, BPSGMC. Residential Campus, Khanpur Kalan (56), Sonipat, Haryana, 131305 have changed my name to Anju Raj for all future purposes.

NAME CHANGE

I Anjana Kumari W/O Ganesh Kumar R/O House no -44, Salapur khera bijwasan, South West delhi, delhi-110061 I have changed my name to Anjana Singh

NAME CHANGE

I Sharad Maheshwary S/O Rajendr Kumar Maheshwary R/O K4/27 UG/F Gali No 26 West Ghonda Bhajanpura North East Delhi 110053 Delhi have changed my name to Sharad Maheshwari for all future purposes.

NAME CHANGE

I kala vati W/O Rama Shankar Singh R/O House no -44/4 G-4/5 Salapur khera bijwasan, South West delhi, delhi-110061 I have changed my name to Kalawati devi.

NAME CHANGE

I, SHITAL SIKKA W/O GAURAV SIKKA residing at 28 KALYAN VIHAR 1ST FLOOR NEAR SHANI MANDIR, G T B NAGAR, DELHI-110009 have changed my name to SHEETAL SIKKA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, JYOTI MEHTA W/O JOGINDER NATH R/O B-24/599, GALI NO-2, GANESH NAGAR-2, SHAKARPUR, DELHI-110092, have changed my name to JYOTI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, JOGINDER NATH MEHTA S/O ANANT RAM R/O B-24/599, GALI NO-2, GANESH NAGAR-2, SHAKARPUR, DELHI-110092, have changed my name to JOGINDER NATH for all future purpose.

NAME CHANGE

I, No-14839160N Rank-HAV Name-DURGAPRASADU ADHIKARI R/o VILL-SIVINI, PO-VIKRAMPURAM, TEH-KOMARADA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535501, have changed my mother's name from SARASWATI to ADHIKARI SARASWATHI for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14839160N Rank-HAV Name-DURGAPRASADU ADHIKARI R/o VILL-SIVINI, PO-VIKRAMPURAM, TEH-KOMARADA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535501, have changed my father's name from SIMHACHALAM NAIDU to ADHIKARI SIMHACHALAM NAIDU for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14839160N Rank-HAV Name-DURGAPRASADU ADHIKARI R/o VILL-SIVINI, PO-VIKRAMPURAM, TEH-KOMARADA, DIST-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535501, have changed my wife's name from M GOWRESWARI ADHIKARI to VAVILAPALLI M GOWRESWARI for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, No-14870150L Rank-SEP Name-NIRANJAN PRADHAN R/o VILL-HARIPUR, PO-DIMISAR, TEH-ODAGAON, DIST-NAYAGARH, ODISHA-752092, have changed my father's name from MADHAVA PRADHAN to MADHAB PRADHAN for all future purposes vide Affidavit dated 01/04/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में विद्यार्थी अब ऑनलाइन चुन सकेंगे स्ट्रीम और विषय

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में शुरू हो रहे नए शिक्षा सत्र के दौरान 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को राहत देते हुए ऑनलाइन अपनी पसंद के विषय चुनने का अवसर प्रदान किया है। छात्रों को अपनी स्ट्रीम और विषय चुनने के लिए स्कूल के कार्यालय में लाइन नहीं लगानी होगी, बल्कि वे सीधे एमआईएस पोर्टल पर जाकर अपनी पसंद के विषयों का चयन कर सकेंगे। इस डिजिटल कदम से हरियाणा के करीब 5 लाख से ज्यादा छात्र सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड को निर्देश जारी किए हैं कि स्कूल एमआईएस पोर्टल पर विषय चयन के नए विकल्प तुरंत उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद फैसले को सत्र 2026-27 से पूरी तरह लागू किया जा रहा है। सरकारी स्कूलों में पढने वाले छात्र अब मेडिकल, नॉन-मेडिकल और कॉमर्स जैसी स्ट्रीम का चयन ऑनलाइन कर सकेंगे। अब छात्र फिजिकल एजुकेशन को एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुन पाएंगे। इससे स्कूल प्रशासन के लिए भी छात्रों का डेटा मैनेज करना आसान और व्यवस्थित हो जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विषय चुनने की आजादी देना है।

विकास के नाम पर राजनीति नहीं करती भाजपा : बृजेंद्र सिंह

सिरसा। पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा की राजनीति विकास के नाम पर नहीं, बल्कि समाज को बांटकर वोट लेने की रणनीति पर चलती है। किसानों, युवाओं या रोजगार जैसे मुद्दों पर कभी स्पष्ट वादे नहीं किए गए। 2019 में प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने की बात जरूर कही थी, लेकिन उस बात को भी सात साल बीत गए अभी तक कुछ नहीं हुआ। इस पर कोई ठोस चर्चा या परिणाम सामने नहीं आया। बृजेंद्र सिंह अपनी सद्भावना यात्रा के दौरान कालांवाली हलके में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। गांव कुरंगावाली से यात्रा की शुरुआत हुई। इसके पश्चात गांव सुखचैन, खतरावा, तिलोकेवाला, तारुआना गांव से होते हुए कालांवाली शहर में यात्रा का समापन हुआ। पूर्व सासंद बृजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया गया कि बीजेपी हर आंदोलन और हर समुदाय में दरार ढूंढने की कोशिश करती है। किसान आंदोलन के दौरान भी सिख समुदाय के भीतर भेदभाव दिखाने की कोशिश की गई। इससे यह संदेश देने की कोशिश की गई कि एकजुटता को तोडऩा ही उनकी रणनीति का हिस्सा है, ताकि राजनीतिक लाभ हासिल किया जा सके। यात्रा दौरान पूर्व सांसद गांव तिलोकेवाला के गुरूद्वारा निर्मलसर साहिब में पहुंचे, जहां गुरूद्वारा के सेवादार संत गुरमीत सिंह ने उन्हें सिरोपा पहना कर सम्मानित किया। पूर्व सांसद व अन्य नेताओं ने गुरूद्वारा के लंगर हाल में बैठ कर लंगर ग्रहण किया।

हेराफेरी मामले में कुतबापुर सरपंच को मंत्री ने किया सस्पेंड

नारनौल। सहकारिता, जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक हुई। इसमें सरकारी धन की हेराफेरी का मामला सामने आते ही मंत्री ने कड़ा रुख अपनाते हुए कुतबापुर की सरपंच को निलंबित करने के आदेश दे दिए। उन्होंने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार की नीति 'नो कॉम्प्रोमाइज' है और दोषी कोई भी हो, बख्शा नहीं जाएगा। बैठक में पूर्व निर्धारित 17 मामलों की सुनवाई की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसेवा में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार अंत्योदय के सिद्धांत पर काम करते हुए अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राम पंचायत पाली में खराब स्ट्रीट लाइटों के मामले में मंत्री ने डीडीपीओ को निर्देश दिए कि पूरे जिले में 10 दिनों के भीतर सभी लाइटों की मरम्मत कराई जाए और भविष्य में रखरखाव संबंधित कंपनी से ही कराया जाए। पृथ्वीपुरा के एक निवासी के राशन कार्ड कटने के मामले में अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी त्रुटि सुधार के बाद कार्ड बहाल कर दिया गया हैए जिस पर मंत्री ने एडीसी को ऐसे मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए।

पीएचसी स्वीकृति से खुश ग्रामीणों ने स्वास्थ्य मंत्री का जताया आभार

नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले की खातोदड़ा और पाली ग्राम पंचायतों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) स्वीकृत होने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर दोनों ग्राम पंचायतों के सरपंचों, पंचों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने रेवाड़ी स्थित रामपुरा हाउस पहुंचकर हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से शिष्टाचार भेंट की और उनका आभार व्यक्त किया। ग्राम खातोदड़ा के सरपंच कृष्ण और पाली के सरपंच देशराज सहित प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र के ग्रामीण पीएचसी की मांग कर रहे थे, जो अब पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूती मिलेगी और हजारों लोगों को सीधा लाभ पहुंचेगा। अब ग्रामीणों को छोटे-छोटे उपचार के लिए दूर-दराज के अस्पतालों का रुख नहीं करना पड़ेगा, बल्कि गांव के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

कूड़ेदान में जाती थीं कांग्रेस की घोषणाएं, भाजपा निभा रही हर वादाः नायब सैनी

एजेंसी
चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में की गई घोषणाएं 'कुड़ेदान' में चली जाती थी, लेकिन इसके विपरीत, वर्ष 2014 से अब तक भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार ने हर संकल्प को पूरा करने की दिशा में ठोस कार्य किए है। वर्तमान सरकार घोषणाओं तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने का काम कर रही है। सैनी भिवानी के तोशाम में आयोजित उन्नत सिंचाई उत्सव 2026 को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसीलाल और स्व. चौधरी सुरेंद्र सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ड्रिप इरिगेशन पर सिंचाई विभाग द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने गांव सांगवान निवासी

पर्वतारोही प्रवीण को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तोशाम की यह धरती परिश्रम, त्याग और खेती-किसानी की समृद्ध परंपरा की साक्षी रही है। उन्होंने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चौधरी बंसी लाल और स्व. चौधरी सुरेंद्र सिंह को याद करते हुए हरियाणा के लिए किये गये कार्यों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने हरियाणा के बनने के समय ही विकास की नई इबारत लिखी थी। वे तोशाम-लोहारू के बालू रेत के टीलों पर लहलहाती फसल देखना चाहते थे। सैनी ने कहा कि हम जो कहते हैं, उसे करते भी हैं। इसका प्रमाण यह है कि हमने पिछले विधानसभा चुनावों के अपने संकल्प-पत्र के 217 में से 60 वादों को डेढ़ साल में ही पूरा कर दिखाया है। यही नहीं, 157 वादों पर काम प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की नॉनस्टॉप डबल इंजन सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को जमीन पर उतारकर दिखाया है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि तोशाम हलके के विकास को गति देने के लिए वर्तमान सरकार के साढ़े 11 वर्षों के कार्यकाल में 283 मुख्यमंत्री घोषणा हुईं। इनमें से 258 का काम पूरा हो चुका है तथा शेष पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि आज अगर हरियाणा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, तो इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दूरदर्शी मार्गदर्शन है। 'विकसित भारत 2047' का जो संकल्प प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों के सामने रखा है, वह केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। यह ऐसा संकल्प है, जिसमें देश का हर नागरिक भागीदार है।

पीजीटी कंप्यूटर साइंस की परीक्षा दस मई को

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी कंप्यूटर साइंस की परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोग के द्वारा जारी किए गए परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार 10 मई को आयोग के द्वारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। आयोग ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि कितने केंद्रों पर यह परीक्षा होगी। हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी कंप्यूटर साइंस की पहली भर्ती पूरी हुए बिना ही दूसरी भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया। एचपीएससी के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक भर्ती पूरी नहीं हुई है और उसी की दूसरी भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। नई भर्ती में एससी पदों का वर्गीकरण भी नहीं किया गया है। हरियाणा लोक सेवा आयोग के द्वारा साल 2023 में हरियाणा कैडर के 1633 व मेवात कैडर के 78 पोस्ट के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की। भर्ती प्रक्रिया में 35 प्रतिशत क्राइटेरिया का असर यह हुआ कि इसमें केवल 39 कैंडिडेट पास हुए। करीब 5 हजार अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। वहीं खाली रहे 1672 पदों का

एचपीएससी के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब एक भर्ती पूरी नहीं हुई है और उसी की दूसरी भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विज्ञापन युवाओं द्वारा शोर-शराबा मचाने से पहले ही जारी कर दिया। एचपीएससी के द्वारा हरियाणा कैडर के 1594 पदों में से 859 जनरल, 327 एससी, 163 बीसीए, बीसी बी के 82, 163 ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व किए गए थे। वहीं मेवात कैडर के 78 पदों में से 43 जनरल, 15 एससी, 8 बीसीए, 4 बीसी बी व 8 पद ईडब्ल्यूएस के लिए रिजर्व किए गए हैं।

राखीगढ़ी के टीले पर खुदाई के दौरान मिला कंकाल

एजेंसी
हिसार। आईकॉनिक साइट राखीगढ़ी में इन दोनों खुदाई का कार्य चला हुआ है। टीले नंबर सात पर खुदाई शुरू हुई तो एक कंकाल दिखाई दिया। उसके सिर की तरफ बड़ा बर्तन भी रखा दिखाई दे रहा है। अब तक जितने भी कंकाल मिले हैं, सब के सिर की तरफ मिट्टी के बर्तन रखे हुए मिले हैं। यह कंकाल महिला या पुरुष का है, अभी तस्वीर साफ नहीं है।

अगर कंकाल पूरी तरह से सुरक्षित निकला तो इसका डीएनए लेकर इस बात का पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि यह लोग कहां से आए थे। राखी गढ़ी के टीलों पर इस वर्ष 22 जनवरी से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ग्रेटर नोएडा की तरफ से खुदाई का कार्य का चल रहा हैं। करीब एक सप्ताह पहले टीले नंबर सात पर ट्रेंच लगाकर खुदाई शुरू की तो ट्रेंच के किनारे एक कंकाल का कुछ हिस्सा दिखाई दिया। जब खुदाई को आगे बढ़ाया तो कंकाल की टांग दिखाई दी। अभी तक कंकाल पूरा नहीं दिख रहा। कंकाल के सिर की तरफ एक बड़ा मिट्टी के बर्तन का ऊपरी भाग दिखाई दे रहा हैं। कंकाल मिलने से पूरे कैंप में मौजूद सभी शोधकर्ताओं के चेहरों पर खुशी झलक रही है।

बड़े सावधानी तरीके से खुदाई के काम को आगे बढ़ाया जा रहा हैं ताकि कंकाल को पूरी तरह से सुरक्षित निकाला जा सके। वर्ष 2015-16 में टीले नंबर सात पर पुणे की डेक्कन यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर प्रोफेसर वसंत शिंदे के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर खुदाई की गई थी और उस दौरान करीब 60 कंकाल पाए गए थे। उनमें से एक कंकाल में ही डीएनए मिला था जिसका हैदराबाद और कोरिया में डीएनए हुआ था।

शहरों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकता : डा. कृष्ण मिड्ढा

एजेंसी
जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि प्रदेश सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों के समग्र, संतुलित एवं योजनाबद्ध विकास के लिए निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि शहरों में बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण हो, नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध हो तथा विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे।

डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा मंगलवार को भारत नगर एवं इम्पलॉयज कॉलोनी क्षेत्र में आयोजित जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्रवासियों को पांच अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जींद में आयोजित होने वाली धन्यवाद एवं विकास रैली में शामिल होने का निमंत्रण दे रहे थे। इस अवसर पर डा. मिड्ढा ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने बताया कि

जींद सहित पूरे क्षेत्र में सड़कों का सुदृढ़ीकरण, पेयजल व्यवस्था का विस्तार, सीवरेज सिस्टम का सुधार, सफाई व्यवस्था को आधुनिक बनाना तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में रैली में पहुंच कर मुख्यमंत्री के विचारों को सुनें तथा क्षेत्र के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह रैली केवल एक कार्यक्रम नही बल्कि विकास के प्रति जनभागीदारी का एक महत्वपूर्ण अवसर है। डा. मिड्ढा ने कहा कि प्रस्तावित रैली के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा जींद क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी। इन परियोजनाओं से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और शहर के विकास को नई दिशा प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से आमजन को सीधा लाभ पहुंचेगा तथा रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। शहरी विकास के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के उत्थान पर भी समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है ताकि प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। डिप्टी स्पीकर ने अंत में पुनः सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे पांच अप्रैल को आयोजित धन्यवाद एवं विकास रैली में अधिकाधिक संख्या में पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाएं तथा प्रदेश के विकास की इस यात्रा में सहभागी बनें। इस अवसर पर विभिन्न विभागो के अधिकारी एवं शहरवासी उपस्थित रहे।

तोशाम का सरकारी अस्पताल होगा अब 100 बेड वाला, बीडीपीओ भवन भी बनेगा नया

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी के तोशाम में आयोजित उन्नत सिंचाई उत्सव 2026 में तोशाम हलके के लिए लिए स्वास्थ्य, सड़क और किसानों से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणाएं भी की है। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि तोशाम में 50 बेड हॉस्पिटल को फिजीबिलिटी चेक करवाकर 100 बेड का बनवाया जाएगा। गांव दिनोद में सीवरेज सिस्टम और जलापूर्ति विस्तार को स्वर्ण जयंती महाग्राम योजना के तहत पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध करवाने पर एसटीपी का निर्माण जाएगा, जिस पर 97 करोड़ 96 लाख रुपए खर्च आएगा। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण एरिया में विकास के लिए विशेष तौर पर 5 करोड़ रुपये अतिरिक्त दिए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि तोशाम में बीडीपीओ कार्यालय के नए भवन का निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा पंचायत द्वारा भूमि उपलब्ध करवाने पर गांव मनसरबास में 33

केवी सबस्टेशन का निर्माण भी होगा। साथ ही तोशाम में कैबिनेट मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी द्वारा बताएं गए गांवों में नए मिनी खेल स्टेडियम का निर्माण करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कैरु के सरकारी कॉलेज में विज्ञान संकाय शीघ्र शुरू करने, तोशाम की अनाज मंडी में शेड की मरम्मत करवाने, मार्केट कमेटी के नए कार्यालय के निर्माण करवाएं जाने की भी घोषणा की। साथ ही उन्होंने कहा कि जुई की अनाज मंडी में शेड का निर्माण और मार्केट कमेटी कार्यालय का निर्माण करवाया जाएगा। सड़कों संबंधित घोषणाएं करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्केट कमेटी की सड़कों में मंढान से रोढ़ा, मंढान से देवावास, मंढान से ईसरवाल, खावा से रोढ़ा, रोढ़ा से साहलेवाला, मालवास से कोहाड़ तक की करीब 22.14 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा, जिन पर करीब 11 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी।

इसी प्रकार से लोकनिर्माण विभाग की सडक़ों के नवीनीकरण और चौड़ा करने का कार्य किया जाएगा। इनमें बिजलानवास से कुड़ल, मनसरवास संपर्क रोड़, गोलपुरा रोड की अतिरिक्त लंबाई, गोलागढ़ संपर्क रोड, लहलाना से गोलपुरा सडक़, देवसर स्कूल संपर्क सडक़, हांसी तोशाम रोड से किरावड़ रोड, तोशाम रोड से किरावड़ रोड, किरावड़ गांव में छुटी हुई सडक़, पटौदी से संडवा सडक़, छपार रांगडान से जोगियान गारनपुरा सडक़, बुसान से संडवा सडक़, दांगकला से बीरन और दांगकला से सांगवान, बुसान से हसान, रोढ़ा संपर्क मार्ग, खानक से किरावड़ तक की करीब 61 किलोमीटर लंबी 19 सड़के शामिल हैं। इस कार्य पर करीब 56 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत आएगी।

नारनौल में मोसनुता के पास मिला तेंदुए का शव

एजेंसी
नारनौल। जिले के गांव मोसनुता के पास एक तेंदुए की मौत का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए के शव को कब्जे में लेकर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृत तेंदुए की उम्र करीब तीन से चार वर्ष बताई जा रही है। वन विभाग के डीएफओ विजेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही विभाग ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि इस घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है और वन्यजीवों की सुरक्षा के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। डीएफओ के अनुसार प्रथम दृष्टया यह मामला प्राकृतिक मृत्यु का प्रतीत हो रहा है, लेकिन वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तीन पशु चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के निर्देशानुसार वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वन विभाग की टीमें क्षेत्र में लगातार गश्त और निगरानी कर रही हैं, ताकि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। डीएफओ विजेंद्र कुमार ने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में वन्यजीवों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार करना है। इसके लिए स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से जन-जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं, जिससे लोग वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। वन विभाग ने क्षेत्र में अपनी निगरानी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया हैए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके। फिलहाल तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हरियाणा सरकार का प्रयास,मंडियों में सुगम हो खरीद प्रक्रियाः ए.के. सिंह

एजेंसी
पानीपत। हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव ए.के. सिंह ने पानीपत और इसराना अनाज मंडियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने पानीपत और इसराना की आधुनिक मंडी में सरसों की खरीद प्रक्रिया, एजेंसियों की भागीदारी और अब तक हुई खरीद की विस्तृत जानकारी ली। ए.के. सिंह ने मंडी में माप-तोल के कांटों की जांच की तथा साफ सफाई, शौचालयों की स्थिति और प्रकाश व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य है कि प्रदेश की सभी मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों को पारदर्शी, तेज और सुविधाजनक खरीद व्यवस्था मिल सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा की जा रही सरसों की खरीद, निर्धारित लक्ष्यों और अब तक की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही आढ़तियों की

भूमिका और उनके समन्वय को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पानीपत मंडी में सरसों की ढेरी को भी देखा वह खरीद के बारे में दिशा निर्देश दिए। ए.के. सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा मंडियों को आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे किसानों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सुगम सेवाएं मिल रही हैं। इस अवसर एसडीएम नवदीप नैन,तहसीलदार पानीपत, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ प्रवीण गुलिया,डीएफएससी दिव्या , हैफेड मैनेजर कृपाल दास, मार्केट कमेटी चेयरमैन अवतार शास्त्री, वाइस चेयरमैन बलवान शर्मा, इसराना मंडी चेयरमैन राजेश जागलान, वाइस चेयरमैन सोमवीर मलिक, सचिव पवन , आढ़ती विरेंदर जागलान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

तेज हवा के साथ बरसात, सरसों व गेहूं फसल को नुकसान

एजेंसी
सिरसा। जिले के कई क्षेत्रों में तेज हवा के साथ बरसात हुई। बेमौसमी बरसात ने किसानों की चिंता बढ़ा दी हैं। खेतों में सरसों व गेहूं की फसल पककर तैयार है, ऐसे में बरसात व तेज हवा किसानों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। बाद दोपहर एकाएक मौसम बदला और शाम को तेज अंधड़ के साथ बरसात शुरू हुई। बरसात से सरसों व गेहूं की फसल को काफी नुकसान होने की आशंका है। सरसों की फसल पककर तैयार है। कुछ किसानों ने सरसों की फसल निकाल ली है और मंडियों में आनी शुरू हो गई। उल्लेखनीय है कि बीते दिवस भी तेज अंधड़ के चलते जिले के कई क्षेत्रों में गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा है। उधर, भाजपा के राष्ट्रीय परिषद के सदस्य जगदीश चोपड़ा ने जिले के गांव सुचान, कुसुंभी, जोधकां, मोचीवाली आदि क्षेत्रों में आई अंधड़ व बरसात से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लिया। जगदीश चोपड़ा ने कहा कि नुकसान की भरवाई सरकार द्वारा की जाएगी। इस दौरान उन्होंने प्रभावित किसानों से बातचीत की। उन्होंने नुकसानग्रस्त फसलों का अवलोकन कर तुरन्त राहत के लिए जिला प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। जगदीश चोपड़ा ने कहा कि अंधड़ व बरसात से कई गांवों में भारी नुकसान हुआ है।

विनीता बांगड़ फिर से बनीं हरियाणा नर्सिंग यूनियन की राज्य प्रधान

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा नर्सिंग यूनियन के वार्षिक चुनाव में पंचकूला की नर्सिंग ऑफिसर विनीता बांगड़ को फिर अध्यक्ष चुन लिया गया। वह लगातार दूसरी बार इस पद पर चुनीं गई हैं। पंचकूला में हुए चुनाव में प्रदेश भर से नर्सिंग ऑफिसर्स ने यहां पहुंचकर मतदान किया। विनीता बांगड़ ने प्रदेश की नर्सिंग ऑफिसर्स को भरोसा दिलाया कि वे पहले भी अधिक मजबूती के साथ हरियाणा के नर्सिंग ऑफिसर के हितों के लिए काम करेंगीं।

राज्य प्रधान पद के लिए पंचकूला की नर्सिंग ऑफिसर विनीता बांगड़ व गुरुग्राम की सीनियर नर्सिंग ऑफिसर सुमित्रा बल्हारा मैदान में थीं।हरियाणा में पेंशन बहाली संघर्ष समिति प्रमुख विजेंद्र धारीवाल, हरिपाल, बिजेंद्र सिंह और सुरजीत यादव ने चुनाव अधिकारी की भूमिका निभाते हुए निष्पक्ष रूप से यह चुनाव संपन्न कराया। चुनाव अधिकारियों ने मतगणना पूरी होने के बाद राज्य प्रधान की औपचारिक घोषणा की। चुनाव में कुल 485 वोट वैलिड पाए गए। विनीता बांगड़

विनीता कुमारी पंचकूला, कविता गुलिया पंचकूला, सुनील देवी हिसार को फाउंडर मेंबर बनाया गया।

बहुमत से राज्य प्रधान चुनीं गई। अनीता सोलंकी को महासचिव, कविता गुलिया, सोहन व दिनेश यादव को उपप्रधान, संतोष शर्मा व रूबी को संयुक्त सचिव, पूनम सहराय को प्रेस सचिव, सुमन कुंडू को कोषाध्यक्ष, अर्चना यादव व नरेश भादू को उप महासचिव चुना गया। लगातार दूसरी बार हरियाणा नर्सिंग यूनियन की प्रधान बनीं विनीता बांगड़ ने कहा कि नर्सिंग ऑफिसर्स ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस विश्वास को वे मजबूत रखेंगीं। नर्सिंग कैडर के हितों के लिए पहले भी उन्होंने लड़ाई की ओर तेज किया जाएगा।

नारनौल रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत, ट्रेनों में बढ़ेंगे अतिरिक्त डिब्बे, वेटिंग होगी कम

एजेंसी
नारनौल। रेलवे ने यात्रियों की बढ़ती भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए कई प्रमुख ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे लगाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से महेंद्रगढ़ जिले के नारनौल, अटेली, निजामपुर और महेंद्रगढ़ क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि अतिरिक्त डिब्बों की व्यवस्था से यात्रियों को कन्फर्म सीट मिलने की संभावना बढ़ेगी और वेटिंग लिस्ट में कमी आएगी।

खासतौर पर दिल्ली, जयपुर, अजमेर, उदयपुर और बीकानेर की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को इसका अधिक लाभ मिलेगा। रेलवे द्वारा स्लीपर, सामान्य और वातानुकूलित श्रेणी के डिब्बों में वृद्धि की जा रही है। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 22471/22472 लालगढ़-दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलसेवा में अप्रैल माह के दौरान दो अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे, जिसका ठहराव महेंद्रगढ़ स्टेशन पर होता है। इसी प्रकार 20473/20474 दिल्ली सराय.उदयपुर सिटी चेतक एक्सप्रेस में भी दो स्लीपर कोच बढ़ाए जाएंगे, जिससे नारनौल और अटेली के यात्रियों को सुविधा मिलेगी।इसके अलावा 12065/12066 अजमेर.दिल्ली सराय रोहिल्ला जन शताब्दी एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त वातानुकूलित चेयर कार कोच जोड़ा जाएगा। वहीं मदार-रेवाड़ी, रेवाड़ी-फुलेरा और भिवानी-ढेहर का बालाजी रेलसेवाओं में तीन से पांच सामान्य श्रेणी के डिब्बे बढ़ाए जाएंगे। इन ट्रेनों का ठहराव नारनौल, अटेली और निजामपुर स्टेशनों पर होता है। दूसरी ओर, बीकानेर मंडल के चूरू-सादुलपुर रेलखंड पर दोहरीकरण कार्य के चलते कुछ रेल सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित रहेंगी। गाड़ी संख्या 14823 जोधपुर-रेवाड़ी ट्रेन 15 से 24 अप्रैल तक लोहारू तक ही चलेगी, जबकि 54804 रेवाड़ी.सीकर रेलसेवा भी इसी अवधि में लोहारू से संचालित होगी।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1186, निफ्टी 348 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जारी संघर्ष के शीघ्र समाप्त होने के संकेतों से भी बाजार उछला है।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1186.77 अंक ऊपर आकर 73,134.32 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 348 अंकों की बढ़त के साथ ही 22,679.40 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले मार्च में दोनों प्रमुख इंडेक्स 11 फीसदी से ज्यादा गिरे थे। इससे निवेशकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 13 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 425 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1814.88 अंकों की बढ़त के साथ 73,762.43 पर खुला जबकि निफ्टी 567 अंकों की तेजी के साथ 22,899 के स्तर पर पहुंचा। आज मिडकैप और

स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 3.30 फीसदी और स्मॉलकैप 100 में 3.61 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 1.41 रुपये की बढ़त के साथ ही 93.44 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे बढ़कर 94.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि जल्द इसने थोड़ी बढ़त खो दी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। श्री महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.63 पर रहा।

डॉलर लहर ने सैफ अली खान के साथ पेश किया साइ-फाई विज्ञापन अभियान

इंदौर।

प्रमुख इनरवियर ब्रांड डॉलर लहर ने गर्मी के सीजन के लिए अपना नया विज्ञापन अभियान लॉन्च किया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अभिनीत यह अभियान हास्य, कल्पना और साइ-फाई (स्ष्द्ध-स्न्रद्ध) तत्वों का एक अनूठा मिश्रण है।हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में दोस्तों के एक समूह और एलियंस के बीच की मुलाकात को यान और बनियान के मजेदार शब्द-खेल (ङ्खश्हस्र-श्चद्यड्ड4) के जरिए दिखाया गया है। ञ्जक्कद्ब/स्द्धठ्ठहड्डद्य द्वारा तैयार और उजेर खान द्वारा निर्देशित यह विज्ञापन ब्रांड को एक विश्वसनीय डेली एसेंशियल के रूप में स्थापित करता है।डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि सैफ अली खान की हाजिरजवाबी और लोकप्रियता ने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म समेत सभी प्रमुख मीडिया माध्यमों पर जारी कर दिया गया है।

मार्च में जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ पार, 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी

– घरेलू बिक्री और आयात से कर संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई

नई दिल्ली।

मोदी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च 2025 में यह संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। वृद्धि का मुख्य कारण घरेलू बिक्री और आयात से राजस्व में बढ़ोतरी को बताया गया है। घरेलू राजस्व 5.9 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ। वहीं, आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 53,861 करोड़ रुपये रहा। मार्च में रिफंड राशि 13.8 प्रतिशत बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने पर शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत अधिक है। पूरा वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ, जबकि रिफंड समायोजित शुद्ध राजस्व 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता और नकदी प्रवाह में सुधार का संकेत है।

रेवेन्यू के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो घरेलू लेनदेन से

मिलने वाला ग्रॉस रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 5.9 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं, इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दिखाई दी। इसका मतलब है कि देश में आयात गतिविधियां भी काफी मजबूत रही हैं। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। वहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू 7.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा योगदान दिया, जहां से करीब 0.13 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन हुआ।

इसके बाद कर्नाटक और गुजरात का स्थान रहा।

सरकार ने आरओडीटीईपी योजना का लाभ 30 सितंबर तक बढ़ाया

– पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार में व्यवधान को देखते हुए सरकार ने निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं कर की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत निर्यातकों को मिलने वाला वित्तीय लाभ छह महीने के लिए बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दिया है। आरओडीटीईपी योजना 2021 में शुरू हुई थी और इसके तहत निर्यातकों पर लगाए गए कर, शुल्क और उपकरों की वापसी 0.3 फीसदी से 3.9 फीसदी तक होती है।

पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी। डीजीएफटी ने कहा कि एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किए गए पात्र निर्यात पर वही दरें लागू रहेंगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री और हवाई मालभाड़ा बढ़ा है, जबकि बीमा प्रीमियम भी महंगा हो गया है। फरवरी में भारतीय निर्यात 36.61 अरब डॉलर पर घट गया। सरकार ने 487 करोड़ रुपए की 'रिलीफ' योजना भी शुरू की। इसके अलावा तूर, उड़द और पीली मटर का आयात बिना प्रतिबंध के बढ़ाया गया है। वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड का न्यूनतम आयात मूल्य एक महीने के लिए 67,220 रुपए प्रति टन किया गया।

इन कदमों का उद्देश्य बढ़े खर्च और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को समय पर समर्थन देना है।

महाराष्ट्र में प्याज हुआ सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

– किसानों के वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार से तुरंत कदम उठाने की अपील

मुंबई ।

महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदो धिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने

और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है।

किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300-800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500-1,800 रुपये प्रति क्विंटल है।

इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा

हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री मार्च में 2ण5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई हुई

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ;एचएमआईएलद्ध की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 2ण5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई रही। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि मार्च 2026 की बिक्री में घरेलू बिक्री की 55ए064 इकाई और 13ए940 इकाई का निर्यात शामिल हैं। घरेलू बिक्री मार्च के किसी भी महीने की अब तक की सबसे अधिक रही और इसमें सालाना आधार पर 6ण3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2ए08ए275 इकाई रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8ण7 प्रतिशत अधिक है। इसमें चौथी तिमाही ;जनवरी से मार्चद्ध में घरेलू बिक्री 1ए66ए578 इकाई रहीए जो सालाना आधार पर 8ण5 प्रतिशत अधिक है जो उसकी स्थापना के बाद से सर्वाधिक रही। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में निर्यात 41ए697 इकाई रहा जो सालाना आधार पर 9ण4 प्रतिशत अधिक है।

सरकार ने एसईजेड इकाइयों को घरेलू बाजार में रियायती शुल्क पर बिक्री की मंजूरी दी

- विशेष आर्थिक क्षेत्रों को मिले वित्तीय सहारे के नए उपाय

नई दिल्ली ।

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की विनिर्माण इकाइयों के लिए एकमुश्त विशेष राहत योजना की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एसईजेड इकाइयों की उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना और उनके वित्तीय दबाव को कम करना है। यह छूट केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले उत्पादन शुरू किया हो। लाभ के लिए यह भी आवश्यक है कि वस्तुएं एसईजेड में निर्मित हों और उनमें कम से कम 20 प्रतिशत मूल्य संवर्धन हुआ हो। इकाइयों को यह प्रमाणित करना होगा कि ये सभी शर्तें पूरी हुई हैं। विनिर्माण इकाइयां अब अपने उत्पाद घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती दरों पर बेच सकती हैं। इसके तहत मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में 6.5 फीसदी से 12.5 फीसदी तक की छूट मिलेगी, जो उत्पाद के अनुसार भिन्न है। यह योजना फिलहाल 2026-27 के लिए है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार इसे बढ़ाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, कई एसईजेड इकाइयों के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, और यह कदम उन्हें घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ाने में मदद करेगा। इससे न केवल आयात में कमी आएगी, बल्कि एसईजेड की इकाइयों की वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग भी संभव होगा।

भारतीय रेलवे तैयार कर रहा है कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन में बड़ा बदलाव

- नई नीति यात्रियों को समय पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। आधिकारिक घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इस दिशा में संकेत दिए थे। नई नीति का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को समय पर अपने टिकट रद्द करने के लिए प्रेरित करना और आखिरी समय पर कैंसिलेशन से होने वाले नुकसान को कम करना है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार रिफंड राशि यात्रा शुरू होने से पहले कितने घंटे में टिकट कैंसिल किया गया, इस पर निर्भर करेगी-

* 72 घंटे से पहले कैंसिलेशन– अधिकतम रिफंड मिलेगा, केवल न्यूनतम फ्लैट शुल्क कटेगा।
* 24 से 72 घंटे पहले– कुल किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा।
* 8 से 24 घंटे पहले– केवल 50 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
* 8 घंटे से कम समय में– कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जिनकी यात्रा योजनाएं अक्सर बदलती रहती हैं। इसमें व्यवसायी यात्री, तत्काल टिकट लेने वाले और ऐसे परिवार शामिल हैं जिनकी प्लानिंग अचानक बदल जाती है। ऐसे यात्रियों को अब समय पर कैंसिलेशन का निर्णय लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें अधिक शुल्क देना पड़ेगा। रेलवे का लक्ष्य है कि यात्रियों को समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित हो और आखिरी समय पर टिकट कैंसिल करने पर अधिक वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। इससे रेलवे का रिफंड प्रबंधन भी सरल होगा और टिकट की बुकिंग सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुनिश्चित बनेगी।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

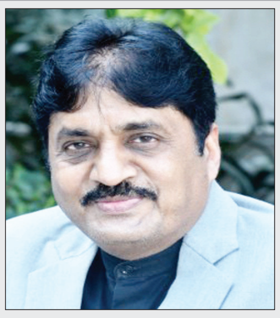

ललित गर्ग

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा।

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न- अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ह्लराम का दासह्व कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- 'ज्ञानिनामग्रगण्यम'। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला।

इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊजार्वान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।

संपादकीय

विवाह बनाम स्वतंत्रता

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है। निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है। यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो।

बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

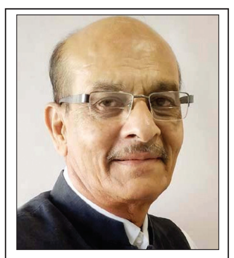

सनत जैन

अमेरिका का राजा ट्रंप नहीं- जनता...

दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है। जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आक्रमण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमोक्रेटिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्त्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी।

आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया इस सबक को समझेगी या फिर अगला संकट उन्हें पूरी तरह झकझोर देगा।

संक्षिप्त समाचार

जैश सरगना मसूद के भाई आतंकी ताहिर की संदिग्ध हालत में मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई आतंकी ताहिर अनवर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा है लेकिन अनाधिकारिक रूप से अनवर की मौत की पुष्टि की है। हालांकि मौत की वजहों का खुलासा नहीं किया है। उसकी मौत बहावलपुर में हुई बताई जा रही है। ताहिर अनवर भी जैश से जुड़ा था और संगठन में बहुत अहम भूमिका निभाता था। बताया जाता है कि वह संगठन की सभी आतंकी योजनाओं में सक्रिय हिस्सेदारी करता था। सूत्रों के मुताबिक उसका अंतिम संस्कार बहावलपुर में जैश के मुख्यालय में किया जाएगा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी घटना पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। ताहिर जैश के सैन्य मामलों का प्रमुख था और आतंकियों की ट्रेनिंग की पूरी जिम्मेदारी साल 2001 से संभाल रहा था। 62 साल का ताहिर अनवर 12 भाई बहनों में सबसे बड़ा था और आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के गठन से पहले मुर्गी पालन करता था।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति ने तीसरी बार शपथ ली

बैंगुई, एजेंसी। मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति फॉस्टिन-आर्चेंज टौएडेरा ने तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। यह शपथ विवादित चुनाव के तीन महीने बाद हुई है। टौएडेरा को दिसंबर में हुए चुनाव में विजेता घोषित किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं था। नए कार्यकाल की अवधि अब सात साल होगी, क्योंकि पहले संविधान में बदलाव कर दिया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका लक्ष्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल करना है। हालांकि, देश में 2013 से जारी संघर्ष और अस्थिरता अभी भी चिंता का विषय है। कई विद्रोही समूह अब भी सक्रिय हैं, जिससे हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाए हैं।

चीन में हाईवे टनल निर्माण स्थल पर विस्फोट, 4 की मौत, 9 घायल

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग इलाके में निर्माणाधीन हाईवे टनल में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह धमाका सोमवार दोपहर हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर हुआ। वानझोउ जिला परिवहन आयोग के अनुसार, हादसा टनल निर्माण के दौरान हुआ। शुरुआती रिपोर्ट में एक व्यक्ति के लापता होने और 12 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी। बाद में मंगलवार रात तक बचाव दल ने लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। वहीं, घायलों में से तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसकी पुष्टि सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने की। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि विस्फोट ज्वलनशील गैस के कारण हुआ हो सकता है। घटना के बाद प्रशासन ने इलाके को घेर लिया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

चिली में स्कूल सुरक्षा सख्त करने की तैयारी

सैंटियागो, एजेंसी। चिली के राष्ट्रपति जोसे एंटोनियो कास्ट ने हाल ही में स्कूलों में बढ़ती हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा कड़ी करने का ऐलान किया है। पिछले शुक्रवार एक स्कूल में चाकू से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा सोमवार को एक 15 साल का छात्र स्कूल में भरी हुई बंदूक लेकर घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इन घटनाओं के बाद सरकार अब स्कूलों में सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। राष्ट्रपति कास्ट ने कहा कि अब छात्रों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और स्कूलों में प्रवेश के नियम और कड़े किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री मारिया पाज अरजोला ने बताया कि एक नया कानून तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत शिक्षक छात्रों के बैग की जांच कर सकेंगे। साथ ही स्कूलों में मेटल डिटेक्टर लगाने की योजना भी तेज की जाएगी। हालांकि चिली में स्कूलों में हथियारों से हमले आम नहीं हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने सरकार और समाज दोनों को चिंता में डाल दिया है।

बाइडन दंपती ने दो पिल्लों को गोद लिया

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने अपने घर में दो नए पिल्लों को शामिल किया है। इन पिल्लों के नाम 'बू' और 'स्काउट' रखे गए हैं। ये दोनों कुत्ते पहले एक पशु आश्रय में थे, जहां से उन्हें बचाया गया था। बाद में एक पशु कल्याण संस्था मानवीय पशु भागीदार ने इन्हें बाइडन परिवार से मिलवाया। बाइडन परिवार पहले भी अपने पालतू कुत्तों के लिए जाना जाता रहा है। व्हाइट हाउस में रहते समय उनके जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी काफी चर्चा में रहे थे।

सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी का निधन; पीएम मोदी ने दुख जताया

पारामारिबो , एजेंसी। सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का 67 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्थानीय मीडिया की तरफ से मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इस घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, उनकी मौत का कारण नहीं बताया गया। पूर्व राष्ट्रपति संतोखी का भारत के बिहार राज्य के साथ एक खास कनेक्शन भी रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति का सोमवार को अचानक निधन हो गया। देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने 67 वर्ष के संतोखी के निधन की पुष्टि की। संतोखी 2020 से 2025 तक राष्ट्रपति के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। वह प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी के नेता भी थे और इससे पहले देश में न्यायिक मंत्री का पद संभाल चुके थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया और उनके व्यक्तिगत संबंध और भारत और सूरीनाम के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में संतोखी की भूमिका को याद किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे दोस्त और सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति, चंद्रिका प्रसाद संतोखी जी के अचानक निधन से बहुत सदमा लगा है और दुखी हूं। यह न केवल सूरीनाम के लिए बल्कि दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के लिए भी एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। अपनी

बातचीत के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे उनके साथ हुई कई मुलाकातें अच्छी तरह याद हैं। सूरीनाम के लिए उनकी बिना थके सेवा और भारत-सूरीनाम के संबंधों को मजबूत करने की उनकी कोशिशें हमारी बातचीत में साफ दिखती थीं। उन्हें भारतीय संस्कृति से खास लगाव था। जब उन्होंने संस्कृत में शपथ ली तो उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और सूरीनाम के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति।' प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के साथ अपनी पिछली मुलाकातों की तस्वीरें भी शेयर कीं। बता दें, सूरीनाम के वानिका जिले के लेलीडॉर्प में जन्मे संतोखी एक इंडो-सूरीनाम हिंदू परिवार से थे और नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके दादा-दादी 19वीं सदी में बिहार से बंधुआ मजदूर के तौर पर आए थे। उनके पिता पारामारिबो में बंदरगाह पर काम करते थे, जबकि उनकी मां एक दुकान में सहायक के तौर पर काम करती थीं। कानून प्रवर्तन में अपने शुरुआती करियर की वजह से, उन्हें 'शेरिफ' निकनेम मिला। संतोखी ने सूरीनाम में व्यापार, ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ संबंध मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सूरीनाम में लगभग 27 फीसदी आबादी की जड़ें भारतीय बंधुआ मजदूरों से जुड़ी हैं। उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान दिया गया था और वे प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर भी शामिल हुए थे। इंडो-सूरीनाम विरासत के संदर्भ में, 2020 में संतोखी का शपथ ग्रहण भारत के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। दरअसल, संतोखी ने संस्कृत भाषा में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। सूरीनाम के किसी राष्ट्रपति ने पहली बार संस्कृत भाषा में शपथ ली थी। इसके साथ ही यह देश में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय मूल की आबादी का सम्मान भी है, जो 19वीं सदी के बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं। पीएम मोदी ने अपने मासिक महीने के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पूर्व राष्ट्रपति का जिक्र किया था और भारत की जनता को भारतीय भाषा और संस्कृति के साथ उनके जुड़ाव के बारे में बताया।

53 साल बाद इंसान फिर जाएगा चांद पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद पर भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए 'आर्टेमिस-2' मिशन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यह रॉकेट बुधवार शाम को लॉन्च किया जाएगा और इसमें चार अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। यह मिशन लगभग 10 दिन का होगा। इसमें अंतरिक्ष यात्री पहले पृथ्वी की कक्षा में घूमेंगे और फिर चांद के पास जाकर बिना उतरे वापस लौट आएंगे। मिशन के अंत में उनका कैप्सूल समुद्र में उतरेगा।

इस बार मिशन की खास बात यह है कि इसमें एक महिला, एक अश्वेत और एक गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। नासा का कहना है कि यह मिशन पूरी मानवता के लिए एक नई शुरुआत है। पहले यह मिशन फरवरी में होना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे टाल दिया गया था। अब सभी दिक्कतें दूर कर ली गई हैं और मौसम भी अनुकूल बताया जा रहा है। नासा का उद्देश्य भविष्य में चांद पर स्थायी मिशन भेजना और आगे मंगल ग्रह तक पहुंचने की तैयारी करना है। यह मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला, तेहरान ने कड़ी निंदा की; मानवीय मिशन बाधित

तेहरान, एजेंसी। ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया। भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल ढ्ढ, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर

हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4:00 बजे पहुंचने वाला था। इस घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है। क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम ट्रंप के नाम पर रखने की मंजूरी

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक एयरपोर्ट का नाम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने को मंजूरी मिल गई है। साथ ही ट्रंप ने मियामी में अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित गगनचुंबी इमारत का डिजाइन भी जारी किया। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाएगा। यह बदलाव जुलाई से लागू होगा। यह एयरपोर्ट ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट के पास स्थित है। इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी प्रस्तावित प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के डिजिटल डिजाइन की झलक दिखाई गई। डिजाइन का श्रेय मियामी स्थित फर्म बर्मेलो अजामिल को दिया गया है। ट्रंप ने इस वीडियो के साथ कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, केवल अपनी लाइब्रेरी की एक नई वेबसाइट का लिंक दिया, जिस पर 'जल्द आ रहा है' लिखा है और दान करने का विकल्प भी मौजूद है।

व्हाइट हाउस ने इस योजना को लेकर पूछे गए सवालों का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया है। इस परियोजना के लिए मियामी डेड कॉलेज ने शहर के केंद्र में लगभग 3 एकड़ जमीन उपहार के रूप में दी है। दिसंबर में एक न्यायाधीश ने इस जमीन के हस्तांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इस जमीन की कीमत 6.7 करोड़ डॉलर से अधिक बताई जा रही है।

मंगोलिया को एक साल में मिला तीसरा प्रधानमंत्री : उलानबटार, एजेंसी। मंगोलिया की संसद ने उच्राल न्याम-ओसोर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। एक साल के भीतर यह तीसरी बार है, जब देश को नया प्रधानमंत्री मिला है। यह फैसला संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगोलिया में बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच उच्राल ने राजनीतिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक मतभेदों ने बाहरी चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। सोमवार रात संसद के 126 में से 107 सांसदों ने मतदान में हिस्सा लिया, जिनमें से 88 सांसदों (करीब 82.2 प्रतिशत) ने उच्राल के समर्थन में वोट दिया। इसके साथ ही 39 वर्षीय नेता के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

पाकिस्तान खुद एक समस्या, भारत है उससे अच्छा मीडिएटर, इजरायल से उठी मांग

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल का कहना है कि पाकिस्तान से अच्छा मध्यस्थ भारत साबित होता। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पाकिस्तान लगातार मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, खबरें हैं कि ईरानी पक्ष ने बातचीत से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने वार्ता की मेजबानी करने का अनुरोध किया था। एक इंटरव्यू के दौरान इजरायली विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लूर हसन-नहूम से पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता कि पाकिस्तानियों को क्या लगता है कि वे क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे खुद को प्रासंगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद जिहादी आतंकवाद की दुनिया में एक बहुत

बड़ी समस्या हैं। लेकिन, आप जानते हैं, वे कोशिश कर सकते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि वे बहुत सफल होंगे।'

भारत की तारीफ : इस दौरान उन्होंने भारत की तरफ से उठाए गए कदमों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'भारत इजरायल का एक बहुत करीबी सहयोगी है। जैसा कि आप जानते हैं, युद्ध शुरू होने से कुछ ही दिन पहले आपके प्रधानमंत्री यहां आए थे। और हम समझते हैं कि भारत सभी के साथ बेहतरीन संबंध रखता है। अगर आप मुझसे पूछें, तो वे पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर मध्यस्थ हो सकते हैं। लेकिन देखते हैं कि चीजें आगे कैसे बढ़ती हैं।

पाकिस्तान कर रहा कोशिशें : पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आयोजित करेगा। डार ने विदेश मंत्रियों के पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा किए जाने के दौरान यह बात कही। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर संकट पैदा हुए हैं।

ईरान ने कर दिया बातचीत से इनकार : ईरान ने सोमवार को अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने पर बातचीत करने से इनकार किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान को मध्यस्थों के माध्यम से संदेश मिले हैं कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। उनकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। हमारा रुख साफ है। हमपर सैन्य हमला हुआ है। इसलिए हमारी पूरी ताकत अपनी रक्षा पर ध्यान लगा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग में इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक ईरान और अमेरिका के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है। कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है। पाकिस्तान में हुई बैठकों पर ईरान ने स्पष्ट किया कि ये उनकी अपनी पहल है, इसमें ईरान शामिल नहीं है। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख शुरू से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका अपने रवैए में लगातार बदलाव करता रहा है। बघाई ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी जो चाहें बोल सकते हैं।

पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्त्राइली सेना की कार्रवाई, बटालियन को किया निलंबित; सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

यरुशलम, एजेंसी। इस्त्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला 'एरिया ए' में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्त्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया।

जांच के नतीजों से पता चला कि उस इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बटालियन को किया गया निलंबित : इन कमियों को देखते हुए इस्त्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्त्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में सेना के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना और मीडिया के साथ सही तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान, बोले- सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए दे सकती है स्थिरता

तेल अवीव , एजेंसी। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है।

क्या बोले नेतन्याहू : नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है। इसके एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान जैसे देश स्थित हैं।

होर्मुज पर ईरान की नई नीति : इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना' को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी

मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में साफ कहा गया है कि अमेरिका और इस्त्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है। इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद तेल के टैंकरों की आवाजाही जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुई कूटनीति का नतीजा है। लेविट ने उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान अपनी मर्जी से केवल कुछ जहाजों को जाने दे रहा है। आने वाले दिनों में 20 और टैंकरों के निकलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी प्रशासन की लगातार कोशिशों के बिना टैंकरों की यह आवाजाही संभव नहीं होती।

वियतनाम की राजधानी में 2026 में अब तक कोविड-19 के 29 मामले सामने आए

हनोई , एजेंसी। वियतनाम की राजधानी हनोई में वर्ष की शुरुआत से अब तक कोविड-19 के 29 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि किसी के मौत की सूचना नहीं मिली है। हनोई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने बताया कि 20 से 27 मार्च के बीच 12 कम्यून और वार्ड में 17 नए कोविड-19 संक्रमण दर्ज किए गए, जबकि पिछले सप्ताह केवल तीन मामले सामने आए थे। बीए.3.2 वैरिएंट के संबंध में, जिसे वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने जनता से सावधान रहने के साथ घबराने से बचने की सलाह दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह वैरिएंट लैब स्थितियों में कुछ एंटीजनिक बदलाव और इम्यून एस्केप विशेषताएँ दिखाता है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से भीड़भाड़ वाले या बंद स्थानों में मास्क पहनने, नियमित सफाई और लक्षण बिगड़ने पर चिकित्सकीय देखभाल लेने जैसे बचाव उपाय बनाए रखने की सलाह दी। हाल ही में एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जिसे अनौपचारिक रूप से 'सिकाडा' कहा गया है, कई क्षेत्रों में सीमित समूहों में पाया गया है, जिससे वैज्ञानिक इसके लक्षणों, संक्रामक क्षमता और संभावित प्रभाव की करीबी निगरानी कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कोविड-19 एक संक्रामक रोग है, जिसे सार्स सीओवी-2 वायरस पैदा करता है। इस वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग हल्के से मध्यम श्वसन रोग का अनुभव करेंगे और बिना विशेष उपचार के ठीक हो जाएंगे। हालांकि, कुछ लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं और उन्हें चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता हो सकती है। बुजुर्ग और हृदय रोग, मधुमेह, पुरानी श्वसन बीमारी या कैंसर जैसी पूर्व मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग गंभीर बीमारी विकसित होने की अधिक संभावना रखते हैं। किसी भी उम्र में कोई भी व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित हो सकता है और गंभीर रूप से बीमार या मृत्यु के जोखिम में रह

सकता है। संक्रमण को रोकने और धीमा करने का सबसे अच्छा तरीका है रोग और वायरस के फैलाव के बारे में अच्छी जानकारी रखना। दूसरों से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें, ठीक से फिट किया हुआ मास्क पहनें, हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित हैंड रब का नियमित उपयोग करें। जब आपकी बारी आए तो टीका लगवाएं और स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करें। वायरस संक्रमित व्यक्ति के मुंह या नाक से निकलने वाले छोटे तरल कणों के माध्यम से फैल सकता है, जब वह खांसता, छींकता, बोलता, गाता या सांस लेता है। ये कण बड़े श्वसन बूंदों से लेकर छोटे एरोसोल तक हो सकते हैं। श्वसन शिष्टाचार का पालन करना महत्वपूर्ण है, जैसे कि खांसते समय कोहनी को मोड़कर खांसना और यदि आप अस्वस्थ महसूस करें तो घर पर रहकर आत्म-एकांत अपनाना चाहिए जब तक आप पूरी तरह स्वस्थ न हो जाएं।

सस्ते ब्यूटी सीक्रेट्स

ब्यूटीफुल दिखने का मतलब यह नहीं कि आप बाजार जाएं और ढेर सारी मेकअप एक्सैसरीज खरीद लाएं। महंगे कॉस्मैटिक्स, कपड़े खरीद कर अपनी जेब खाली कर लें और महीने भर का बजट एक दिन में उड़ा दें। घर पर रह कर भी बिना पैसे खर्च किए आप लो कॉस्ट ब्यूटी का मजा ले सकती हैं।

घर पर करें स्क्रब

स्पा में जाकर पैसे खर्च करने से अच्छा है कि घर पर खुद स्क्रब बनाएं। इसके लिए एक मुट्ठी भर चीनी और थोड़े से जैतून के तेल को मिला लें। अब इसे एप्लाई करते हुए शावर के नीचे जाएं और धीरे-धीरे डैड स्किन हटाएं।

ऐसे करें मैनीक्योर

नाखूनों को लैमन जूस में डुबोएं और साफ करें। उसके बाद नेल टिप्स को शाइनी बनाने के लिए नेल बफर प्रयोग में लाएं। अब नेल्स पर किसी तरह की पॉलिश लगाने की जरूरत नहीं।

प्यार से लगाएं लिपस्टिक

अगर आपके हाथ में लिपस्टिक आ गई है तो इसका मतलब यह नहीं कि इसे होंठों पर घिसकर जल्द खत्म करना है। आप लिपस्टिक को जितने प्यार से लगाएंगी, यह उतना ही अच्छा इफैक्ट देगी। सबसे पहले वैसलीन की पतली लेयर लगाएं। अब लिपस्टिक लगाएं और फिंगरटिप से एकसार कर लें। अब मैट लुक देने के लिए होंठों पर हल्का पाऊडर लगाएं और ऊपर से डार्क शेड लगा लें। इसमें ईवनिंग इफैक्ट आएगा।

वैट और ड्राई हेयर प्रॉडक्ट्स

दो अलग-अलग स्टाइल के हेयर प्रॉडक्ट्स यूज करने की बजाय एक ही प्रॉडक्ट खरीदें और उसे कई तरीकों से इस्तेमाल करें। बालों को सुलझाने के लिए हेयर क्रीम लगाएं और जब हेयर ड्राई हों तो इसे स्मूद लुक देने के लिए यूज लगाएं और जब सूख जाएं तो हेयर जैल को बालों में शाइन लाने के लिए यूज करें।

बॉडी मॉयश्चराइजर खरीदें

मॉयश्चराइजर खरीदने जा रही हैं तो ऐसा मॉयश्चराइजर खरीदें जो आपकी पूरी बॉडी पर प्रयोग में लाया जा सके। फेस के लिए अलग, हाथों के लिए अलग, पैरों के लिए अलग, मॉयश्चराइजर खरीदना पैसे की बर्बादी है।

खाइए और स्किन निखारिए

अगर आप नैचुरल स्किन केयर प्रॉडक्ट यूज करें तो बेहतर होगा। ढेर सारी सब्जियां और फल खाइए, फिर देखिए आपकी स्किन बिना मेकअप के ही चमक उठेगी।

ऐसा हो बच्चों का शयनकक्ष

इस बात का ध्यान भी रखना आवश्यक है कि बच्चों के शयनकक्ष में पर्याप्त प्रकाश एवं हवा आने की व्यावस्था हो। बच्चों के शयनकक्ष की वायरिंग ठीक से हो एवं कक्ष ऊंचे स्विच बोर्ड वाला हो। बाथरूम युक्त शयनकक्ष बच्चों के लिए अच्छा माना जाता है।

परिवार रूपी बगिया में बच्चे रूपी कोमल कलियों का अपना अलग ही महत्व है। बच्चे दिन भर खेलते-कूदते हैं, पढ़ने के लिए जाते हैं और धमा-चौकड़ी मचाते हैं। दिन भर के थके बच्चों का शयनकक्ष ऐसा होना चाहिए जिसमें वे रात भर ठीक से विश्राम कर सकें। बच्चों का शयनकक्ष उत्तम डिजाइनों का बना होना चाहिए। कक्ष निर्माण करवाते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है।

- बच्चों की बढ़ती उम्र के अनुसार उनकी जरूरतें भी बढ़ जाती हैं। बच्चों के विचार, उनकी प्रवृत्ति एवं पसंद को बराबर तरजीह देनी चाहिए। यह भी जानना आवश्यक है कि लड़के एवं लड़कियों की जरूरतें एवं अपेक्षाएं अलग-अलग होती हैं। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि बच्चों के बड़े हो जाने पर ही उनका शयनकक्ष बनाना चाहिए ताकि उनमें बार-बार परिवर्तन न करना पड़े। बच्चों के शयनकक्ष ऐसे होने चाहिएं जिसमें उनके व्यक्तित्व का पूर्ण विकास हो।
- बच्चे को उसकी उम्र के अनुसार उसके कमरे में सामान चाहिए। एक 6 वर्षीय बच्ची की जरूरत पर अगर ध्यान केंद्रित करें तो पाएंगे कि उसे अच्छे कपड़े, खिलौने एवं किताबों को रखने तथा खेल कूद के लिए पर्याप्त स्थान वाला कमरा चाहिए। इसे ध्यान में रख कर ही हम उसके लिए कक्ष का निर्धारण करेंगे।
- एक उत्तम शयनकक्ष का निर्माण कराते समय हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के बच्चे पहले की अपेक्षा अधिक उत्साही एवं साहसी होते हैं। हमें उनकी ऊर्जा को पहचान कर उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना चाहिए।
- एक आदर्श शयनकक्ष उसे कहा जा सकता है जिसे बच्चे अपनी पसंद तथा इच्छानुसार जब जैसा चाहें, बदल सकें। अगर बच्चों को अपने हरेक काम को पूरा करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिलेगी तो वे वैसी स्थिति में अन्य कमरों में जाकर उछल कूद मचाएंगे और उन्हें पापा-मम्मी से डांट-फटकार सुननी ही पड़ेगी।
- हमें यह बराबर याद रखना चाहिए कि किसी स्थान को डिजाइन करना सिर्फ उसकी सुंदरता को ही बढ़ाना नहीं होता है बल्कि उसमें रहने वाले व्यक्ति को सरस, सहज एवं नियमित जीवन जीने की कला प्रदान करता है, अत: एक कुशल डिजाइनर को हमेशा यह ध्यान रखना होगा कि सकारात्मक डिजाइन द्वारा बच्चों में अच्छी आदत कैसे विकसित की जाए क्योंकि इससे बच्चे अपना काम खुद करना सीखते हैं और किस वस्तु को कहां रखा जाए इसका भी ध्यान रखते हैं।

- स्वभाव से शरारती बच्चों के शयन कक्ष का रंग अगर गहरा रखा जाए तो ज्यादा अच्छा होता है। इससे बच्चे खेल-कूद के समय दीवारों को अनजाने में ही गंदा नहीं कर पाते।
- शयनकक्ष बनाते या निर्धारित करते समय उनके आराम, मनोरंजन एवं उसके कोमल मन-मस्तिष्क पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखना बेहद आवश्यक होता हैं। साथ ही लड़कों का शयनकक्ष लड़कियों के शयनकक्ष से कई मायने में काफी अलग होता है।
- इस बात का ध्यान भी रखना आवश्यक है कि बच्चों के शयनकक्ष में पर्याप्त प्रकाश एवं हवा आने की व्यवस्था हो। बच्चों के शयनकक्ष की वायरिंग ठीक से हो एवं कक्ष ऊंचे स्विच बोर्ड वाला हो। बाथरूम युक्त शयनकक्ष बच्चों के लिए अच्छा माना जाता है। बच्चे के शयनकक्ष को हल्के हरे रंगाना चाहिए। इससे उनकी मेधाशक्ति में वृद्धि होती है।

सैसमी गार्लिक पोटैटो

सामग्री : 4-5 आलू, लहसुन की 4 कलियां कटी हुईं, 1 टीस्पून जीरा, 2 टेबलस्पून तिल, 2-3 हरी मिर्च लम्बाई में कटी हुईं, 12 करी पत्ते, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाऊडर, आधा-आधा टीस्पून हल्दी पाऊडर और शक्कर, तलने के लिए तेल, सजावट के लिए हरा धनिया, नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को छील कर चिप्स की तरह काट लें। कड़ाही में तेल गर्म करके आलू को सुनहरा तल कर अलग रख दें। दूसरे पैन में एक टीस्पून तेल गर्म करके जीरा, लहसुन और तिल का छौंक लगाएं। जब तिल तड़कने लगें तब हरी मिर्च और करी पत्ते डालें। अब इसमें तले हुए आलू और अन्य सभी सामग्री मिलाएं। तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। हरा धनिया से सजाकर सर्व करें।

सुंदर दिखने के लिए क्या जरूरी है, क्या नहीं

- अपने चेहरे के आकार के अनुरूप ही हेयरकट कराना ठीक रहता है। यह मान कर न चलें कि आमिर या सलमान खान का हेयरकट फैशन में है तो उसे करा कर आप सुंदर दिखेंगे हो सकता है वह आप पर सूट न करे।
- आप साधारण कपड़ों में जोकि सलीके से पहने हों और साफसुथरे हों, सुंदर दिख सकते हैं। जरूरी नहीं कि आए दिन आप नए फैशनेबुल कपड़े पहनें या नए शूज खरीदें, जिन्हें खरीद कर आप का बजट ही क्यों न गड़बड़ा जाए।
- ढीलेढाले कपड़ों और बालों में तेल लगाने से आप का व्यक्तित्व उतना प्रभावशाली नहीं लगेगा जितना कि सही फिटिंग के कपड़ों और कंडीशनिंग किए बालों में।
- परफ्यूम, टेलकम पाउडर, डिओडरेंट का इस्तेमाल जब जरूरी लगे, तभी करें। जरूरी नहीं कि रोजरोज नए ब्रांड इस्तेमाल करने से आप दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर पाएंगे। इन प्रसाधनों का चयन करते समय इन की खुशबू को खास महत्त्व दें क्योंकि इन की महक से कई बार कुछ लोगों का सिर दर्द होने लगता है जिस से आप के नजदीक आने, आप से बात करने में लोग कतरा भी सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2033

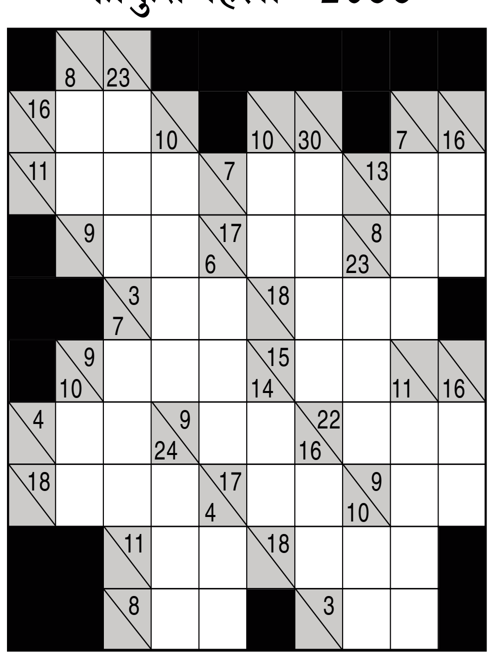

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

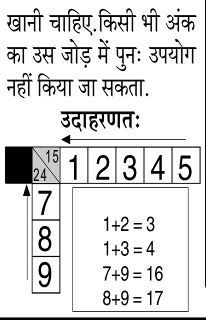

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2032 का हल

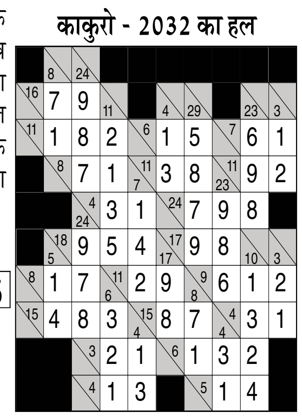

लॉफिंग जौंन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।

अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।

रमन- ये भी मेरी नहीं है।

अंकल- तो फिर किसकी है?

रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2033

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू, रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2032

सूडोकु -2033

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2032 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 2033

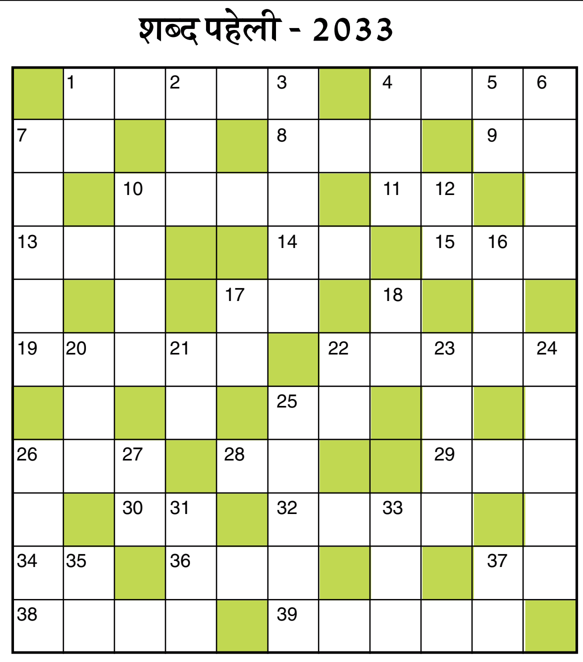

बाएँ से दाएँ

1.असहकार-5
4.शत्रुता,दुश्मनी-4
7.नाच,नृत्य (उर्दू-2)
8.विष्णु का वाहन-3
9.मादा का विलोम-2
10.ईश्वर,शिव-4
11.संज्ञा,संबोधन-2
13.वेग,गति-3
14.महसूल,राहदरी-2
15.अंधकार,अंधेरा-3
17.कुंजी,ताली-2
19.गोलाकार-5
22.इतरता,बेगानापन-5
25.समय,वक्त-2
26.स्याही का पात्र-3
28.अच्छा,सद् पुरुष-2
29.अदृश्य-3
30.मिट्टी,धूल-2
32.नट,बाजीगरी करने वाला-4
34.टैक्स,हाथ-2
36.बोलने का तरीका-3
37.खदान-2
38.जो जायज न हो-4
39.श्री रामचंद्र का नाम-5

ऊपर से नीचे

1.तराजू डंडा,पासा-2
2.पराजित करना-3
3.बहुत लंबा -5
4.रुकना,अड़ जाना-3
5.जंगल,कानन-2
6.तीर रखने का पात्र-4
7.सार-संभाल-2,3
10.पूंजी,धन-4
12.वोट,राय-2
16.राजा,महाराजा-3
17.चतुर्थ,चौथा-2
18.हलवा-2
20.पक्षाघात-3
21.तन,देह-2
22.क्षण-2
23.स्मारक-4
24.चोर,लुटेरा-5
25.जैकी श्राफ, अनिल कपूर,किमी काटकर व फराह अभिनीत फिल्म -5
26.टूटना,बिखरना-4
27.पानी से सराबोर-2
31.कमल,नीरज-3
33.बादलों की गड़गड़ाहट-3
35.छुट्टी,अवकाश-2
37.राख,मिट्टी-2

शब्द पहेली -2032 का हल

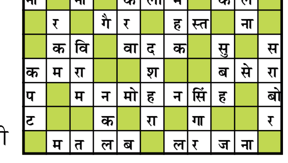

डबल इंजन की सरकार असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रही : राजनाथ सिंह

एजेंसी
शोणितपुर (असम)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार आज असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रही है। असम विधान सभा चुनाव के मद्देनजर शोणितपुर जिला के तेजपुर विधान सभा क्षेत्र में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने भाजपानीत सरकार की उपलब्धियों की जहां चर्चा की, वहीं विपक्ष की कांग्रेस की नीतियों की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प है कि हर कीमत पर असम की संस्कृति और पहचान की रक्षा हो। असम के लोगों का सम्मान हो। यहां का विकास हो। इसी संकल्प के साथ आज डबल इंजन की सरकार असम को विकास और समृद्धि के नए युग की ओर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों ने हमेशा असम के साथ

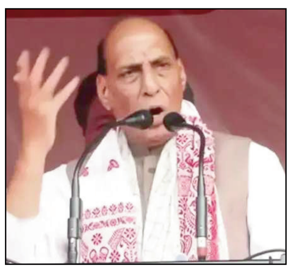

सौतेला व्यवहार किया है। हमेशा यहां की उपेक्षा की है। यहां के लोगों को कांग्रेस ने दिल्ली से, अपने दिल से और दिमाग से भी दूर रखा है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन के कारण एक ऐसा समय था, जब असम के बारे में बात होती थी तो उग्रवाद की बात होती थी। अशांति की बात होती थी। अस्थिरता की बात होती थी। असम और नॉर्थ-ईस्ट के विकास को नई दिशा और नई ऊर्जा देने का काम सबसे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए एक समर्पित मंत्रालय बनाया था। ताकि असम और पूरे पूर्वोत्तर के विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा सके। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे पूर्वोत्तर के विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है।राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जब पूर्वोत्तर की बात होती है तो विकास की बात होती है। कनेक्टिविटी की बात होती है। 'अष्टलक्ष्मी' की बात होती है। यहाँ के संभावना की बात होती है। प्रगति की बात होती है। समृद्धि की बात होती है। आज, असम नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। यह विकास का केंद्र बन रहा है। असम पूरे पूर्वोत्तर के विकास का इंजन बनकर उभर रहा है। जब असम आगे बढ़ेगा, तो पूरे भारत के विकास को रफ्तार मिलेगी। जब असम विकसित होगा तब ही भारत विकसित होगा। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में भाजपा के शासन में असम की अर्थव्यवस्था लगभग तीन गुना बढ़ गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के कार्यकाल में असम देश की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनकर सामने उभरा है। आज जब सरकार की सही नीति और नियति के साथ असम के लोगों की मेहनत और ऊर्जा मिली है तो असम ने विकास की रफ्तार पकड़ी है।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में दो नक्सलियों ने एके-47 के साथ किया आत्मसमर्पण

एजेंसी
कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में आज तय समय सीमा पर दो नक्सलियों पीपीसीएम शंकर और पीएम हिड़मा डोडी ने पुलिस के समक्ष एके-47 के साथ आत्मसमर्पण किया है। दोनों आत्मसमर्पित नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपये का इनाम घोषित था, इसकी पुष्टि कांकेर एसपी ने की। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने मंगलवार को बताया कि कांकेर-दंतेवाड़ा क्षेत्र के जंगलों में अभी भी लगभग 15 नक्सली सक्रिय बताए जा रहे हैं, जिनमें दो प्रमुख कैडर चंदर और रूपी सुरक्षाबलों के सर्च ऑपरेशन के केंद्र में हैं। पुलिस का मानना है कि आने वाले घंटों में बाकी बचे नक्सली मुख्यधारा में लौट सकते हैं। राखेचा ने बताया कि विगत 5 दिनों में 9 नक्सली कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में 31 मार्च को 2 और नक्सली कैडरों ने भी हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। इन नक्सली कैडरों द्वारा एक एके 47 के साथ आत्मसमर्पण किया गया है। पुनर्वास के लिए आगे आए माओवादी कैडरों से प्राप्त जानकारी के आधार पर इलाके में सक्रिय अन्य माओवादी कैडरों से संपर्क स्थापित कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। बस्तर आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने पिछले तीन दिनों में 25 मार्च से आज 31 मार्च तक कुल 11 माओवादी कैडर के निर्णय का स्वागत किया। उन्होंने कहा 'माओवादी कैडरों के पास आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास का विकल्प चुनने के लिए अब केवल कुछ ही घंटे बचे हैं। वे इस अवसर का विवेकपूर्ण उपयोग कर शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जीवन अपनाएं।

भाजपा की 'उज्वला' योजना अब 'लकड़ी भाग्य' में बदली: डीके शिवकुमार

एजेंसी
बेंगलुरु। कर्नाटक राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रसोई गैस की कमी और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की 'उज्वला' योजना अब 'लकड़ी भाग्य' में बदल गई है। यहां कांग्रेस पार्टी कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने आरोप लगाया कि युद्धों का बहाना बनाकर केंद्र सरकार देश में बढ़ती महंगाई की समस्या को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से आम जनता के साथ-साथ होटल उद्योग भी गंभीर परेशानी का सामना कर रहा है। केंद्र की यह उज्ज्वला योजना नहीं बल्कि जनता को 'लकड़ी भाग्य' देने जैसा है।' उन्होंने कहा कि पेट्रोल व डीजल सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण लोगों का जीवन मुश्किल हो गया है। ऐसे समय में राज्य सरकार की 'गारंटी' योजनाएं जनता के लिए सहारा बनी हैं। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि टोल दरों में वृद्धि और करीब 900 आवश्यक दवाओं की कीमत बढ़ाकर केंद्र सरकार ने आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अच्छे दिन' के वादे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अच्छे दिन कहां हैं? अब तो 'कच्चे दिन' आ गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1 अप्रैल से विभिन्न वस्तुओं के दाम बढ़ाकर केंद्र सरकार ने जनता को 'अप्रैल फूल' बना दिया है।

सांभर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का का हुआ आयोजन

जयपुर (सांभर)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में बाल विकास परियोजना कार्यालय साम्भर लेक जयपुर में आंगनबाड़ी चलो अभियान प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं द्वारा दरबार सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांभर में आयोजित उक्त प्रवेश उत्सव एवं विदाई समारोह में आंगनबाड़ी के नवीन बच्चों का स्वागत किया। उन्होंने आंगनबाड़ी के बच्चों को पोर्टफोलियो किट जिसमें बच्चों के लिए रंग, वॉटर बोतल, खिलौने आदि प्रदान किये। आंगनबाड़ी केंद्रों पर उक्त पोर्टफोलियो किट सामग्री का वितरण इस उद्देश्य से किया जाता कि बच्चें खेल खेल में सीखें। बच्चों को आंगनबड़ियों में स्वस्थ सुरक्षित एवं सीखने का माहौल मिल सके। उक्त समारोह में साम्भर उपखण्ड अधिकारी ऋषि राज कपिल, उपनिदेशक आईसीडीएस श्रीमती पार्थवी शर्मा, उपनिदेशक महिला अधिकारिता राजेश डोगीवाल, कार्यक्रम प्रभारी आरपीएस सपना मौर्य तथा सीडीपीओ प्रिया कुमावत एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सीजीडी संस्थाएं प्रतिदिन औसतन ढाई से तीन हजार परिवारों को डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ें : वी. श्रीनिवास

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रिब्यूशन संस्थाओं को प्रतिदिन औसतन ढाई हजार से तीन हजार परिवारों तक पाइपलाइन के माध्यम से घरेलू गैस (डीपीएनजी) कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो चुकी है, वहां के परिवारों को डीपीएनजी सेवाओं से जोड़ना केंद्र एवं राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सचिवालय में राज्य में कार्यरत 13 सीजीडी संस्थाओं के शीर्ष स्तर के अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों के साथ डीपीएनजी संरचना की स्थिति तथा डीपीएनजी सुविधा से जोड़ने की कार्ययोजना पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने वर्चुअल बैठक में स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में डीपीएनजी की आधारभूत संरचना विकसित हो गई है, वहां क्षेत्रवासियों को एलपीजी से पाइपलाइन गैस सुविधा से जोड़ना केंद्र सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं। साथ ही इन क्षेत्रों की औद्योगिक एवं व्यावसायिक इकाइयों को भी पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस कनेक्शन से जोड़ा जाना है। वी. श्रीनिवास ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को एलपीजी से डीपीएनजी सुविधाओं से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाए।

सुनील जाखड़ का 'आप' पर तीखा हमला, बोले- 'क्लीन चिट' से नहीं छिपेगा असली चेहरा

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दलित महिला से मारपीट और छेड़छाड़ के 13 साल पुराने मामले में विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को भले ही 'समझौते' के तहत राहत मिल गई हो, लेकिन इस मामले ने पार्टी का असली चेहरा उजागर कर दिया है। सुनील जाखड़ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि आम आदमी पार्टी के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा को भले ही 'समझौते' के तहत बरी कर दिया गया हो, लेकिन पीड़ित द्वारा लड़ी गई लंबी लड़ाई ने जनता के सामने आम आदमी पार्टी का असली और बदसूरत चेहरा बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा, 'जब 2013 में यह घटना हुई थी, तो मैंने विपक्ष के नेता के तौर पर विधानसभा में यह मुद्दा उठाया था और सरकार के कड़े विरोध के बावजूद पीड़ित को विधानसभा में लेकर आया था। इससे सदन में भारी हंगामा हुआ और न्याय की इस लड़ाई में मेरी विधानसभा सदस्यता रद्द करने के लिए एक विशेषाधिकार समिति का गठन भी किया गया था।' सुनील जाखड़ ने तंज करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार से ऐसी 'क्लीन चिट' लेकर घूमने वाले विधायकों और मंत्रियों की सूची में अब एक और नाम जुड़ गया है। लेकिन क्या ये लोग खुद को नैतिक रूप से पाक-साफ कह सकते हैं, जबकि पीड़ित के साथ सरेआम अन्याय और मारपीट की गई थी?

मुख्यमंत्री योगी की माँ के लिए अशब्द बोलने वाले मौलाना बिहार से गिरफ्तार

एजेंसी
बहराइच। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के लिए अशब्द कहने वाले मौलाना अब्दुल सालिम को यूपी एसटीएफ ने बिहार से गिरफ्तार किया है। बहराइच जिले की कोतवाली पुलिस ने आरोपित के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

देवीपाटन मण्डल आईजी अमित पाठक ने बताया कि पिछले दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें बिहार के जनपद अररिया निवासी मौलाना अब्दुल सालिम चतुर्वेदी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अशोभनीय टिप्पणी की गई थी। इस संबंध में बलरापुर और बहराइच जिले में मुकदमा दर्ज किया गया था। यूपी एसटीएफ इकाई की गोरखपुर टीम ने आरोपित मौलाना को बिहार से गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए बहराइच लाया गया। इसके बाद कानूनी कार्रवाई कर उसे जेल भेज दिया गया है। इस संबंध में बिहार राज्य के अमौर विधानसभा के एआईएमआईएम विधायक अख्तरुल ईमान ने कहा कि यूपी एसटीएफ ने मौलाना को सोमवार बिहार के पूर्णिया से गिरफ्तार किया था। मौलाना के

खिलाफ विहिप विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष एपी सिंह ने 8 मार्च को नगर कोतवाली बहराइच में मुकदमा पंजीकृत कराया था। जिलाध्यक्ष का आरोप था कि मौलाना ने रमजान के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां के खिलाफ अभद्र भाषाशैली का प्रयोग किया था। मौलाना का उद्देश्य समाज में अलगाव पैदा करना, दंगा भड़काना एवं कानून व्यवस्था को तार-तार करना था। उसका वीडियो वायरल होने के बाद तमाम हिंदू संगठन के लोग मौलाना के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

मौलाना ने मांगी माफी

आरोपित अब्दुल सालिम कासमी ने कहा कि मैं स्वीकारा कर रहा हूं कि 5 मई 2024 में भागलपुर जिले के एक बस्ती में आयोजित एक कार्यक्रम में वह उपस्थित था। इस दौरान उसने एक स्पीच दी, जिसमें यूपी के मुख्यमंत्री की माता के लिए कुछ अशब्द निकले, जो नहीं कहना चाहिए था। मैं अपनी इस गलती के लिए हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं कि आयंदा ऐसी गलती नहीं होगी। मैं लोगों को यह पैगाम देना चाहता हूं कि अपनी तकरीरों में यहां स्पीच में ऐसी बातें न बोले जो किसी धर्म को नुकसान पहुंचे। मैं मुख्यमंत्री से भी माफी मांगता हूं।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 9 लाख के इनामी 5 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी
दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के पुलिस लाइन कारली में आज` 5 लाख की इनामी महिला नक्सली सोमें कड़ती सहित पांच नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। बस्तर आईजी सुंदरराज पी., सीआरपीएफ डीआईजी राकेश, दंतेवाड़ा कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय के समक्ष आत्मसमर्पण के बाद उनकी निशानदेही पर सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के विभिन्न ठिकानों पर छिपाकर रखी गयी इंसास रायफल, एसएलआर एवं बीजीएल सहित कुल 40 हथियार भी बरामद किए।

केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नक्सली खात्मे की समय सीमा के अंतिम दिन आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 5 लाख की इनामी भैरमगढ़ एरिया कमेटी सदस्य सोमें कड़ती बीजापुर जिला अंतर्गत थाना मिरतुर के चेरली निवासी, एक लाख की इनामी भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य लखमा पोयाम, निवासी

बेचापाल थाना मिरतुर, एक लाख की इनामी भैरमगढ़ एरिया कमेटी पार्टी सदस्य सरिता पोडियाम निवासी हिंगुम, थाना जांगला, एक

लाख की इनामी जोगी कलमू निवासी नेंड्रा थाना बासागुडा, एक लाख की इनामी गंगालूर एरिया कमेटी पार्टी सदस्य मोटी ओयाम निवासी पीडिया, थाना गंगालूर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार वर्ष 2024 से अब तक दंतेवाड़ा जिले में 607 नक्सली कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं। वहीं, संयुक्त अभियानों में 92 नकलियों को गिरफ्तार किया गया है और 54 नक्सली मुठभेड़ों में मारे गए हैं।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश मिलकर लिखेंगे सुशासन और आध्यात्मिक पर्यटन की नई इबारत : मोहन यादव

एजेंसी
भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की एक नई इबारत लिखी जा रही है। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सरकारें विरासत के साथ विकास के मंत्र को आत्मसात कर सुशासन और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में साझा संस्कृति विकसित कर रही हैं। यह न केवल दोनों राज्यों के संबंधों को प्रगाढ़ करेगा, बल्कि जन-कल्याण के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बातें उत्तर प्रदेश के वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर के भ्रमण के दौरान मीडिया से बात करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने अपने वाराणसी भ्रमण की शुरूआत देवादिदेव महादेव श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन और पूजन के साथ किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन कर मध्य प्रदेश की जनता की खुशहाली और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री ने पावन गंगा घाट पहुँचकर पतित पावनी माँ गंगा के दर्शन

किए। उन्होंने श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ माँ गंगा का पूजन किया और गंगाजल से आचमन किया। दर्शन और पूजन के बाद उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ के धाम में आकर जो आध्यात्मिक शांति प्राप्त होती है, वह अद्भुत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी भ्रमण के दौरान विश्व प्रसिद्ध श्री काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि बाबा विश्वनाथ और बाबा महाकाल के धामों के बीच व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण एमओयू किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य दर्शनार्थियों को सुगम और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर परिसर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वाराणसी के अनुभवों को मध्य प्रदेश के उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ-2028 के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के न्यासियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रेजेंटेशन से कॉरिडोर में तीर्थयात्री प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल (भीड़ प्रबंधन), दर्शन व्यवस्था और मोबाइल ऐप आधारित टोकन सिस्टम का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज कुंभ और काशी कॉरिडोर के प्रबंधन से सीख लेकर हम उज्जैन में श्रद्धालुओं के लिए दूरगामी योजनाएं तैयार कर रहे हैं। श्रद्धालुओं को दर्शन की उच्चतम और सुगम व्यवस्था देना हमारा लक्ष्य है। प्रेजेंटेशन से तीर्थ स्थल प्रबंधन की एसओपी को समझा।

'हाईवे लूट' और आम लोगों के पैसे की चोरी के समान है टोल दर वृद्धिः कांग्रेस

एजेंसी
बेंगलुरु। देशभर में 1 अप्रैल से लागू होने जा रही राष्ट्रीय राजमार्ग टोल की दर वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने इसे आम जनता पर महंगाई का नया बोझ करार दिया। बेंगलुरु स्थित राज्य कांग्रेस पार्टी के कार्यालय में कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। सुरजेवाला ने

कहा कि 1 अप्रैल से टोल दरों में बढ़ोतरी जनता की जेब पर सीधा प्रहार है। यह 'हाईवे लूट' और आम लोगों के पैसे की चोरी के समान है।उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से मजदूर वर्ग और मध्यम वर्ग के लोग आर्थिक रूप से और अधिक दबाव में आ जाएंगे। पहले से ही महंगाई से जूझ रही जनता पर यह अतिरिक्त बोझ है।सुरजेवाला ने कहा कि वर्ष 2019-20 से अब तक केवल कर्नाटक में ही टोल टैक्स के जरिए लगभग 23 हजार करोड़ वसूले गए हैं। अब 5 फीसदी की नई बढ़ोतरी से राज्य के लोगों पर करीब 250 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। केंद्र की नीति की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि टोल दरों में वृद्धि जनता के पैसे की लूट का एक माध्यम बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

ममता बनर्जी ने सीईसी को लिखा पत्र, बंगाल की मतदाता सूची में गड़बड़ी का लगाया आरोप

एजेंसी
कोलकाता। मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले एक बार फिर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रदेश की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की कोशिश की जा रही है।

अपने पत्र में ममता ने लिखा कि विश्वसनीय सूत्रों से जानकारी मिली है कि राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय और विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। उनके अनुसार यह सामान्य प्रक्रिया नहीं लगती, बल्कि ऐसे लोगों के नाम जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जो पश्चिम बंगाल के निवासी नहीं हैं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग हजारों फर्जी फॉर्म-6 आवेदन जमा कर बाहरी लोगों को मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मतदाताओं को 'हाईजैक' करने की एक कोशिश है। उन्होंने दावा किया कि इसी प्रकार की घटनाएं बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली के चुनावों में भी सामने आई थीं। ममता ने आगे लिखा कि किसी भी

संवैधानिक संस्था द्वारा जनता के लोकतांत्रिक और मौलिक अधिकारों को प्रभावित करना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके कारण कई लोग अपने मताधिकार से वंचित हुए हैं और लगभग 200 लोगों की मृत्यु की खबर भी सामने आई है। राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण ममता ने यह पत्र मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पार्टी की प्रमुख के रूप में तृणमूल कांग्रेस के लेटरहेड पर लिखा है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से इसमें तुरंत हस्तक्षेप करने और कथित गड़बड़ी को रोकने की मांग की है। इसी मुद्दे पर पश्चिम मेदिनीपुर के चंद्रकोणा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं, जबकि अन्य राज्यों से लोगों के नाम जोड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार, राजस्थान, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से नाम लाकर सूची में शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है।इससे एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे थे। बाहर आकर उन्होंने आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी के लोग बोरियों में भरकर फॉर्म-6 जमा करने आए थे, जिनका उद्देश्य अन्य राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल की सूची में शामिल करना है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल से कार्यालय के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की भी मांग की। फॉर्म-6 का उपयोग मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से दो प्रकार के लोग करते हैं पहली बार मतदाता बनने वाले नागरिक और वे लोग जो एक निर्वाचन क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित हुए हैं।

कुशीनगर से विश्व शांति का संदेश, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन में जुटे देश-विदेश से आए विद्वान

एजेंसी
कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के महापरिनिर्वाण स्थल से विश्व शांति का संदेश देने वाला 'अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन 2026' मंगलवार से शुरू हो गया। 31 मार्च से 2 अप्रैल तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में देश-विदेश से आए बौद्ध भिक्षु, संत, विद्वान, नीति-निर्माता और युवा एक मंच पर जुटे हैं। सम्मेलन में भगवान बुद्ध की करुणा, शांति और शिक्षाप्रद संदेशों की वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में प्रासंगिकता पर गहन मंथन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'वर्तमान समय में जब दुनिया के अनेक हिस्सों में संघर्ष और अनिश्चितता का माहौल है, ऐसे समय में भगवान बुद्ध के जीवन संदेश सकारात्मक मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने बताया कि जिले में आयोजित यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन वैश्विक स्तर पर शांति, सहअस्तित्व और आपसी समझ को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल है।' कुशीनगर के महापरिनिर्वाण मंदिर में आज अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का शुभारंभ मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद

'बुद्धा लाइफ गैलरी' का उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर कुशीनगर के जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने अतिथियों का स्वागत किया। आरआईएस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पंकज वशिष्ठ ने 'बौद्ध दर्शन' की आज के दौर में प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। सम्मेलन में 'बुद्धाज कुशीनगर' विषय पर एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। वहीं, स्थानीय विधायक और सांसद ने भी सम्मेलन की अहमियत को रेखांकित करते हुए अपने विचार साझा किए। औपचारिक उद्घाटन समारोह के बाद शांति उपवन में 'धम्म, संवाद और विकास' विषय पर छात्र चित्रकला प्रतियोगिता हुई । जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर कलाकृतियों के माध्यम से बौद्ध शिक्षा एवं मूल्यों को सृजनात्मक ढंग से अभिव्यक्त किया। उद्घाटन सत्र के पश्चात प्रथम सत्र 'भिक्षुओं के दृष्टिकोण से बौद्ध धर्म' विषय पर केंद्रित रहा, जिसमें बौद्ध दर्शन के व्यावहारिक एवं आध्यात्मिक पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद 'बौद्ध-जैन समागम' विषय पर आयोजित सत्र में दोनों धर्मों की समानताओं, ऐतिहासिक संबंधों एवं समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा हुई। सम्मेलन के तीसरे सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने प्रदेश के समृद्ध बौद्ध स्थलों, पर्यटन आकर्षणों, पारंपरिक कला-शिल्प और सांस्कृतिक विरासत की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत की।

अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन के पहले दिन 'बौद्ध धर्म : धम्म, संवाद और विकास' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। परिचर्चा में दक्षिण कोरिया, लाओस, जापान और भारत के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। वक्ताओं ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में बौद्ध मूल्यों की उपयोगिता और समावेशी समाज के निर्माण में उनकी भूमिका पर अपने विचार साझा किए।

चुनौतियों से निपटकर नया इतिहास बना रहा भारत, आने वाली सदी भारत की होगी : हरिवंश सिंह

एजेंसी
भोपाल। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश सिंह ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से उभरती अर्थव्यवस्था है। भारत चुनौतियों से निपट कर नया इतिहास बना रहा है और आने वाली सदी भारत की होगी। इसके लिए सकारात्मक और दूरदर्शी सोच के साथ कार्य करना आवश्यक है। उप सभापति हरिवंश सिंह भोपाल स्थित मप्र विधानसभा में आयोजित मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के दो दिवसीय युवा विधायक सम्मेलन (राष्ट्रकुल संसदीय संघ भारत क्षेत्र जोन-6) के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी एवं विकसित भारतञ्च2047 में विधायकों की भूमिका पर विचार व्यक्त किये गये। उप सभापति सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि युवा देश का इतिहास, दिशा और भविष्य बदल सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का सपना युवाओं की सक्रियता से ही पूरा होगा। भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास की यही गति जारी रही तो वर्षञ्च2047 के पहले भी भारत विकसित राष्ट्र बन सकता है। उप सभापति सिंह ने कहा कि जब वे सांसद बनकर आए थे, तब कागजों के पुलिंदे आते थे और उन्हें घर में रखने की जगह भी नहीं होती थी। पढ़ने का भी पूरा अवसर नहीं मिल पाता था। आज वही संसद पूरी तरह पेपरलेस हो चुकी है और अब आगे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग पर भी काम चल रहा है। विधान सभाएं भी तेजी से डिजिटल हो रही हैं, जिससे जनप्रतिनिधियों के लिए कई नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी अवसर प्रदान करती है, खासतौर पर एआई। इसे लेकर दो तरह की विचारधाराएं हैं-एक ओर इसे चुनौती माना जाता है, तो दूसरी ओर यह बड़े अवसर भी देता है। जिन राज्यों या देशों में विकास की गति धीमी रही है, उनके लिए टेक्नोलॉजी आगे बढ़ने का मौका देती है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से तेज़ी से प्रगति संभव है, बशर्ते उसका सही उपयोग किया जाए। उन्होंने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रघुराम जी. राजन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी किताब में बताया गया है कि क्यों कुछ राज्य तेजी से विकसित होते हैं, जबकि कुछ पीछे छूट जाते हैं। ऐसी पुस्तकों से हमें यह समझने में मदद मिलती है कि हमारी जीडीपी कैसे बढ़ सकती है और आर्थिक विकास के लिए किन नीतियों की आवश्यकता है।

आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था। इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।

केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

वहीं सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा पर पारी का दारोमदार रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच भी रोमांचक होना तय है।

नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से सनराइजर्स की कमान ईशान के पास ही रहेगी। ईशान ने पहले ही मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह दोहराना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

सनराइजर्स हैदराबाद

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

आकाश चोपड़ा ने पंजाब किंग्स से हार के बताई गुजरात टाइटन्स की सबसे बड़ी कमजोरी

Credit : X @gujarat_titans

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। उनसे और अधिक निरंतरता की उम्मीद की जाती है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच लगभग खत्म हो चुका था तब भी मोहम्मद सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।'

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में रेसलिंग का शानदार समापन

–पुरुषों में हिमाचल प्रदेश और महिला वर्ग में असम बना ओवरऑल चैंपियन, सरगुजा में दिखा खिलाड़ियों का दम

सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की कुश्ती स्पर्धा का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक और रणनीति का लोहा मनवाया। परिणामों के अनुसार, पुरुष वर्ग में हिमाचल प्रदेश ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी जीती, जबकि जम्मू-कश्मीर फर्स्ट रनरअप रहा। वहीं, महिला वर्ग में असम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जिसमें झारखंड की टीम फर्स्ट रनरअप के स्थान पर रही।

इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के गोल्ड मेडलिस्ट पहलवान नवीश कुमार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। नवीश ने बताया कि उन्होंने दो साल बाद मैट पर वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। हिमाचल की महिला कोच अंकिता ठाकुर के अनुसार, उनके राज्य के 15 खिलाड़ियों के दल ने कुल चार गोल्ड, पांच सिल्वर और कई ब्रॉन्ज मेडल जीतकर ऑल ओवर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा किया। स्वर्ण पदक विजेताओं को सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को भविष्य में अपनी डाइट और ट्रेनिंग की सुविधाओं को बेहतर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों और कोचों ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी और आयोजन की जमकर प्रशंसा की। महिला कोच अंकिता ठाकुर ने कहा कि अब हिमाचल और असम जैसे राज्यों की लड़कियां भी कुश्ती में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि जनजातीय बच्चों में अपार शक्ति और स्ट्रेंथ है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए और अधिक बेहतर कोच, आधुनिक डाइट प्लान और विश्वस्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मंच मिले, तो देश के दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों से भी विश्वस्तरीय पहलवान निकल सकते हैं।

ईरान को मैच खेलने जाना ही होगा अमेरिका, फीफा का कड़ा फरमान, प्रेसिडेंट ने साफ किया रुख

ईरान (एजेंसी)। ईरान को विश्व कप 2026 के अपने मुकाबले अमेरिका में ही खेलने होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट किया कि सभी मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास है। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक 16 अलग-अलग मैदानों पर खेला जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें ईरान की टीम भी शामिल है। ग्रुप जी में ईरान का मुकाबला बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड से होगा। उसके ग्रुप चरण के मैच इंगलवुड और सिएटल में आयोजित किए जाएंगे।

अमेरिका में ही खेलने होंगे मुकाबले

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को अपने सभी मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेलने होंगे। उन्होंने साफ कहा कि मुकाबलों का स्थान नहीं बदला जाएगा और सभी मैच उसी देश में होंगे, जहां उन्हें पहले से निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि ईरानी फुटबॉल संघ ने हाल ही में यह इच्छा जताई थी कि उनके मुकाबलों को अमेरिका से हटाकर मैक्सिको में कराया जाए। लेकिन फीफा प्रमुख ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का कार्यक्रम नहीं बदलेगा और सभी टीमों को तय स्थानों पर ही खेलना होगा।

ईरान की तैयारी जारी

इन सबके बीच ईरान की टीम अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। तुर्की में खेले जा रहे अभ्यास मुकाबलों के दौरान टीम ने अपनी मजबूती दिखाई है। कोस्टा रिका के खिलाफ खेले गए अभ्यास मुकाबले में ईरान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-0 से जीत हासिल की। इसी दौरान जियानी इन्फेंटिनो ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान विश्व कप में जरूर हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि ईरान एक मजबूत टीम है और उसे प्रतियोगिता में खेलते देखना सुखद होगा। उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान शायद इस बार विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा।

इतिहास बदलने की चुनौती

ईरान की टीम अब तक सात बार विश्व कप में हिस्सा ले चुकी है और 2026 उसका आठवां अवसर होगा। हालांकि, अब तक वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में इस बार टीम के सामने इतिहास बदलने की बड़ी चुनौती होगी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए ईरान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। अब देखना होगा कि क्या यह टीम इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारते हुए अगले दौर में जगह बना पाती है या नहीं।

अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे खिलाड़ी बने

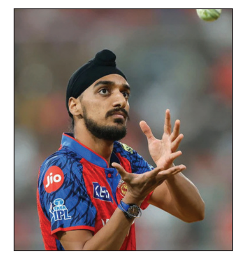

न्यू चंडीगढ़ ।पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंककर एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है।इसी के साथ ही वह सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे गेंदबाज बन गये हैं।अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या सहित पांच गेंदबाजों के नाम संयुक्त रुप से आईपीएल में सबसे लंबा ओवर करने का रिकार्ड है।वहीं गुजरात के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप ने पारी के 20वें ओवर में कुल 11 गेंदें फेंकी।इसके बाद अर्शदीप ने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड की।अगली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बना।राहुल ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगा दिया।अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड गेंदें की।वहीं पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने एक रन लिया।वहीं अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड की।

मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स।लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी।यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया।कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया।मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया।

वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वॉन

लंदन।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये।वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं।वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये।उनका मानना है कि इस उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा।वॉन ने कहा, 'वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता।जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है।उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ।उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता।जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा।उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है।' पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं।सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है।उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं।वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये।इसके अलावा अंडर-19 विश्वकप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था।इस बल्लेबाज ने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी।उसे बाद से ही वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंडर-20 एशियाई कप फुटबॉल में जापान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

पाथुम थानी (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 में अपना अभियान जापान की मजबूत टीम के खिलाफ शुरू करेगी और इस टूर्नामेंट में खेलने के 20 साल के इंतजार को खत्म करेगी। भारत के लिए यह एक मैच से कहीं अधिक है क्योंकि टीम ने दो दशक में पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने शुरुआती मैच से पहले वास्तविकता और महत्वाकांक्षा दोनों पर जोर दिया। स्वीडन के कोच एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमें अच्छी तरह पता है कि भारतीय टीम के साथ हम अभी इस माहौल में नए हैं। हम जानते हैं कि हमारा सामना मजबूत विरोधियों से है और हम उनका सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन साथ ही हमारी सोच यह है कि हम इस ग्रुप से आगे बढ़ें और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करें। यह पूरे देश के लिए बहुत शानदार होगा।'

इस टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारी बहुत विस्तृत और व्यवस्थित तरीके से हुई है। कजाखस्तान में खेले गए मैत्री मुकाबलों से लेकर स्वीडन में एक महीने तक चले ट्रेनिंग शिविर तक पूरा ध्यान एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। कोच ने कहा, 'हम पिछले तीन महीने से लगातार एक साथ हैं।'

एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमने कजाखस्तान में कुछ मैत्री मैच खेले। हम एक महीने के शिविर के लिए स्वीडन भी गए और हमने उज्बेकिस्तान की टीम को भी भारत में आमंत्रित किया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। म्यांमार में हुए क्वालीफायर मुकाबलों के बाद से हमने बहुत ही एकाग्र होकर काम किया है। हमने तकनीकी, रणनीतिक और मानसिक हर तरह से एक टीम के तौर पर काफी सुधार किया है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारी तैयारी ने हमें सबसे अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है।'

प्रतियोगिता के पहले मैच में भारत के सामने दुनिया की सबसे मजबूत टीम में से एक की चुनौती है। अंडर-20 एशियाई कप की रिकॉर्ड छह बार की चैंपियन जापान की टीम इस बार भी प्रबल दावेदार के तौर पर आई है और 2018 में विश्व चैंपियन भी बनी थी। मुख्य कोच अकीरा इजिरी ने अपनी टीम के इरादे साफ किए। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य साफ है। हम ग्रुप चरण से आगे बढ़कर विश्व कप जीतना चाहते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम अपनी पूरी जान लगा देंगे।'

जापान, ऑस्ट्रेलिया (पांच अप्रैल) और चीनी ताइपे (आठ अप्रैल) के साथ कड़े ग्रुप सी में होने की वजह से भारत का नॉकआउट चरण में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। तीनों ग्रुप में से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीम फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं।जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है।जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं।वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं।ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं।वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं।गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं।गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं।तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं।ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं।दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एश्ली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं।नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है।

मोटे बल्ले से बल्लेबाजी करते हुए पकड़े गये राहुल तेवतिया

मुल्लापुर।गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में उस समय फंस गये जब अंपायर ने मोटे बल्ले का प्रयोग करने के लिए उन्हें पकड़ लिया।अंपायर ने जांच में पाया कि तेवतिया का बल्ला मोटा था।इस प्रकार के बल्ले को वैध नहीं माना जाता है।इसके बाद अंपायर ने तेवतिया को बल्ला बदलने के लिए कहा।तेवतिया ने अंपायर की बात मानते हुए एकदम से बल्ला बदल लिया।आईपीएल में मैच के दौरान कभी भी बल्ले की जांच हो जाती है।अंपायरों के पास एक बैट गेज होता है, जिसकी जांच में अगर बल्ला अगर नहीं निकलता है तो उस बल्ले को बदल दिया जाता है। तेवतिया के मामले में भी ऐसा ही हुआ।वहीं तेवतिया ने कहा कि उनके बल्ले के पीछे स्टीकर लगा हुआ है, जिसकी वजह से बल्ला मोटा नजर आ रहा है पर अंपायरों ने उनकी नहीं सुनी और बल्ला बदलवा दिया। एमसीसी के नियमों के अनुसार बल्लेब की मोटाई 67एमएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और किनारे 40एमएस से ज्यादा मोटे न हों।मोटे बल्ले के लिए कोई तय सजा नहीं है पर आईपीएल आचारसहिता के हिसाब ने 50 फीसदी तक की मैच फीस काटी जा सकती है।

अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा : शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं।

शमी ने कहा, 'आईपीएल के बाद पिछला रिकॉर्ड देखने पर पता चलता है कि देश कोई भी अन्य गेंदबाज मेरे करीब नहीं पहुंचा है। इसके बाद भी मुझे टी20 का गेंदबाज नहीं कहा जाता है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि आईपीएल में पर्पल कैप के बाद भी उनको टी20 का गेंदबाज नहीं माना जाता।शमी पिदले दो से तीन साल से टेस्ट में शामिल नहीं हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अंतिम बार साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस दौरान घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि इसके बाद भी उन्हें एशिया कप और टी20 क्रिकेट विश्व कप में जगह नहीं मिली। शमी का अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध है।

गौरतलब है कि शमी आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते आए हैं पर पिछला सीजन उनके लिए अच्छा नहीं गया था। आईपीएल 2025 में वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले पाये थे। शमी 2019 से लेकर 2024 तक लगातार आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से 2019 में 19 विकेट, 2020 में 20 विकेट और 2021 में 19 लिए थे। 2022 में शमी गुजरात टाइटंस के साथ चले गए और उन्होंने 20 विकेट झटके। आईपीएल 2023 में उन्होंने 28 विकेट झटके और पर्पल कैप जीता। आईपीएल 2024 में वह नहीं खेले थे और पिछले साल यानी आईपीएल 2025 में वह सिर्फ 6 विकेट ही ले पाए थे। इस बार वह लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिली हैं। उनके आने से सुपरजायंट्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख जुर्माना

मुल्लापुर(ईएमएस)।आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।ये जुर्माना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पंजाब टीम की धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए श्रेयस पर ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से कहा गया है कि पंजाब किंग्स ने धीमी ओवर गति के साथ ही आचार संहिता का उल्लंघन किया है।इसी कारण पंजाब के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम पंजाब किंग्स टीम अपने घरेलू मैदान में खेले गये इस मैच में टाइटन्स के खिलाफ समय पर आखिरी ओवर को शुरू नहीं कर पाई थी।पहली पेनल्टी तो मैच में ही पंजाब किंग्स पर लग गई थी, जब एक फील्डर को टीम बाहर नहीं रख पाई थी।पांच की जगह चार ही फील्डर बाउंड्री लाइन पर थे।वहीं, अब उन पर स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी लगा है।नियम के अनुसार एक बार टीम इस अपराध के लिए दोषी पाई जाती है तो टीम की मैच फीस भी काटी जाती है कप्तान को दोगुन जुर्माना भरना पड़ता है।इसके अलावा कप्तान पर एक मैच के लिए प्रतिबंध भी लगता है।

सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं। कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'ठग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।

एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'

अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्त: द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।'

फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोरसिंथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।

उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।'

राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'

इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

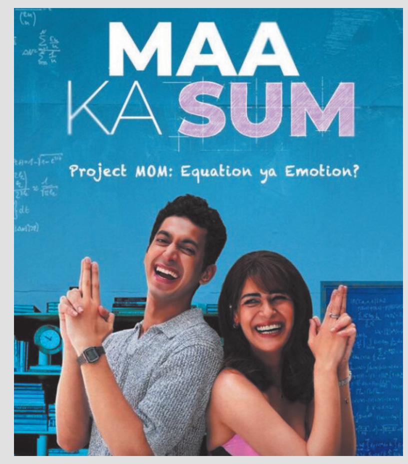

गर्भावस्था

छोटी-छोटी बातों का रखें ख्याल

गर्भावस्था जीवन की एक महत्वपूर्ण अवस्था है, जिसमें महिला को न सिर्फ अपना, बल्कि अपने होने वाले शिशु के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना होता है। गर्भावस्था का परिणाम एक स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु होना चाहिए। गर्भावस्था में उचित खुराक, आराम, व्यायाम, चिकित्सकीय देखभाल, जांचों और जरूरत पड़ने पर कुछ दवाओं की जरूरत होती है। इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है।

गर्भावस्था के प्रारंभिक तीन महीनों में कई महिलाओं को मॉर्निंग सिकनेस या जी मचलाने या मितली आने की शिकायत होती है। इस अवधि में सुबह बिस्तर से निकलने से पहले ही सूखा बिस्किट खा लें। थोड़ी बहुत चाय-कॉफी और हल्का खाना, फल, सलाद खाते रहें। बच्चे के समुचित विकास के लिए मां की खुराक में ज्यादा कैलोरी, प्रोटीन, आयरन और कैल्शियम आवश्यक है।

आमतौर पर भारतीय शाकाहारी होते हैं। इसलिए खुराक में प्रोटीन की आपूर्ति के लिए दालों और अंकुरित अनाज भी खाना आवश्यक है। यदि चार-पांच प्रकार की दालें मिलाकर बनाएं तो और अच्छा है। इनके अलावा मूंगफली, छोले, राजमा, भुने चने और हो सके तो सूखे मेवे का नियमित सेवन करना चाहिए। सोयाबीन भी प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है।

महिलाओं में लौह तत्व की कमी से एनीमिया होना भी बहुत अधिक पाया जाता है। इससे बचने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, सलाद खाना आवश्यक है। आयरन की गोली अवश्य लें। विटामिन-सी के सेवन से आयरन का अच्छी तरह से अवशोषण होता है। कैल्शियम के लिए आहार में रोज प्रचुर मात्रा में दूध, दही या मट्ठा होना चाहिए। कमी अधिक हो तो कैल्शियम की गोली भी लेना चाहिए।

हर गर्भवती महिला को रात में कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लेना चाहिए। साथ ही दिन में भी एक-दो घंटा आराम की जरूरत है। गर्भावस्था में रोजमर्रा का हल्का-फुल्का काम किया जा सकता है, लेकिन भारी काम से पूरी तरह परहेज करें। साथ ही उचित व्यायाम करना आवश्यक है। गर्भावस्था के व्यायाम की जानकारी स्त्री रोग विशेषज्ञ से ले सकते हैं। विशेषज्ञ से सलाह लिए बगैर मन से व्यायाम न करें। बेहतर होगा कि व्यायाम योग्य प्रशिक्षक की मौजूदगी में करें।

भ्रांतियों से दूरी बनाएं

कई घरों में यह मान्यता होती है कि गर्भावस्था के सातवें-आठवें महीने तक डॉक्टरी जांच की कोई आवश्यकता नहीं होती है, जो सरासर गलत है। मासिक धर्म रुकने के तुरंत बाद ही डॉक्टरी जांच करवाकर निश्चित करवाएं की आप गर्भवती हैं। पहले छह महीने तक एक-एक महीने के अंतराल से जांच करवाना चाहिए। सातवें महीने से हर पंद्रह दिन में जांच करवाएं। नवां महीने लगने पर हर हफ्ते जांच की आवश्यकता होती है। कुल मिलाकर कम से कम दस बार जांच होना चाहिए।

चिकित्सक की सलाह मानें

डॉक्टर की सलाह के अनुसार परीक्षण और आवश्यकतानुसार सोनोग्राफी होना चाहिए। पहली सोनोग्राफी जांच ड़ेढ़-दो महीने की गर्भावस्था में ही की जाती है। इससे भ्रूण की स्थिति के सही निदान के साथ ही प्रसव की सही तारीख भी तय की जा सकती है। इसके बाद चौथे महीने में यानी कि सोलह से अठारह हफ्ते में सोनोग्राफी करवाकर गर्भस्थ भ्रूण के अंदर कोई जन्मजात गड़बड़ी जैसे कि हृदय, सिर में, रीढ़ में या पेट में गड़बड़ी हो तो उन्हें देख लिया जाता है।

तिम तिमाही में रहें सावधान

सातवें-आठवें महीने में सोनोग्राफी से गर्भनाल की स्थिति, शिशु का वजन, बच्चेदानी के अंदर का पानी सभी की जांच होती है। आपके डॉक्टर को जरूरत पड़ने पर सातवें महीने के बाद एक से अधिक सोनोग्राफी की जरूरत हो सकती है।

भ्रूण का विकास कम हो तो क्या करें

यदि बच्चे में विकास की दर कम हो तो पहले यह सुनिश्चित करें कि मां गर्भावस्था के दौरान कोई बीमारी जैसे ब्लड प्रेशर (रक्त चाप), डायबिटीज (मधुमेह) से तो पीड़ित नहीं थी। यदि वह बीमार है तो कलर डॉप्लर सोनोग्राफी की जरूरत पड़ सकती है। इसमें शिशु के धमनियों में रक्त का प्रवाह कैसा है, इसे जांचा जाता है और आने वाले खतरों की चेतावनी मिलती है।

न कराएं लिंग परीक्षण

ध्यान रहे कभी भी शिशु का लिंग परीक्षण करवाने के लिए सोनोग्राफी न करवाएं। यह न केवल आपके और समाज के लिए हानिकारक है वरन? कानूनन अपराध भी है। प्रसूति विशेषज्ञ द्वारा नियमित रूप से आपकी खून की एवं पेशाब की जांचें करवाई जाएंगी। हिमोग्लोबिन की जांच गर्भावस्था में तीन-चार बार करवाना आवश्यक है। आपका रक्त समूह (ब्लड ग्रुप) जानना जरूरी है। यह भी तय करें कि आप आर.एच. निगेटिव तो नहीं हैं। सातवें महीने में ग्लूकोज देकर शुगर की जांच होती है। पेशाब की जांच से यूरिनरी इंफेक्शन का पता चलता है। इन सबके अलावा एचआईव्ही और हिपेटाइटिस बी की जांच करवा लेना चाहिए।

टिटेनस के टीके

गर्भावस्था में महिला को टिटेनस टॉक्साइड के दो इंजेक्शन चार से छह हफ्ते के अंतराल से लगते हैं, जिनसे मां और नवजात शिशु दोनों में टिटेनस की रोकथाम होती है। जिन महिलाओं की गर्भावस्था सामान्य रहती है, उनको ज्यादा चिंता की जरूरत नहीं, लेकिन कई बार गर्भावस्था हाई-रिस्क या असामान्य श्रेणी में आती है।

गर्मियों की बड़ी समस्या

एक्ने

अक्सर गर्म मौसम में तैलीय त्वचा वाले युवाओं को पीड़ाजनक एक्ने का अनचाहा सामना करना पड़ता है। बार-बार की सावधानियां भी इस तकलीफ को रोक नहीं पाती और पीडित झुंझला उठता है। कई बार सही जानकारी का अभाव भी एक्ने का जनक हो सकता है।

आप यही उदाहरण देख लीजिए

18 वर्षीय एक युवती के माथे पर अचानक छोटे-छोटे दाने उभर आए। बालों में कई समय से रूसी होने के कारण ये दाने हो गए थे। सौंदर्य समस्याएं कई बार सेहत से जुड़ी होती हैं। जैसा इस युवती के मामले में हुआ। दानों के उपचार के लिए उसकी त्वचा और बालों की रूसी का उपचार साथ-साथ किया, हेयर स्टाइल बदली ताकि बाल माथे पर न आएं। उसे रोज बालों को धोने की सलाह दी गई। साथ ही रूसी का उपचार भी शुरू किया गया।

हाजमा ठीक न होने से भी इस तरह की परेशानी हो सकती है। उसे रोज दिन में एक कटोरी दही खाने की सलाह दी गई। तीन महीनों के बाद उसके माथे के दाने गायब हो गए। माथे के दाने कई बार साधारण न होकर किसी संक्रमण के कारण हो सकते हैं।

हाजमा बिगड़ना भी एक कारण हो सकता है, इसके लिए भरपूर पानी पीना बहुत जरूरी है। माथे की त्वचा चेहरे की बाकी त्वचा से थोड़ी अलग होती है, वहां तेल ग्रंथियां ज्यादा होती हैं, इसलिए दाने भी सबसे पहले उभरते हैं।

इसी तरह अगर लिवर इंफेक्शन होने पर भी माथे पर दाने आ सकते हैं। हालांकि ऐसा हर बार हो ही, ऐसा जरूरी नहीं। साफ-सफाई बहुत ही महत्वपूर्ण है। अपने हाथों को दिन में कई बार साबुन से धोएं। चेहरे को सेलिसिलिक एसिड युक्त फेस वॉश से दिन में दो बार धोएं। बालों को छोटा रखें। अगर लंबे हों तो उन्हें पीछे की ओर बांधे। ध्यान रखें कि वे चेहरे पर न आने पाएं।

- अपने हाथों को चेहरे पर कम से कम लगाएं।
- हेड बैंड्स का प्रयोग न करें, क्योंकि वे पसीना सोखते हैं।
- धूम्रपान कम करें। एक्टिव स्मोकर्स में एक्ने ज्यादा होता है।
- हेयर स्प्रे बहुत सावधानी से करें क्योंकि इससे रोम छिद्र बंद हो सकते हैं। बालों को बांध कर रखें।

ध्यान दें कि बालों से शैंपू पूरी तरह साफ हो। बालों और माथे पर शैंपू के अंश रह जाने से कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

क्या आपका बच्चा पूरी रात आराम से सोता है? कई बार माताएं शिकायत करती हैं कि उनका बच्चा पूरी रात ठीक से नहीं सोता, जिस वजह से उन्हें भी रातभर जाग कर शिशु की देखभाल करनी पड़ती है। पहले तो दिनभर के काम निपटाओ और फिर जब रात को सोने की बारी आती है तो बच्चा सोने नहीं देता। ऐसी ही समस्या का समाधान आज हम यहां पर देगें, जिससे आपका बच्चा आराम से रात को सो सकेगा और आप भी चैन की नींद लेंगी।

क्या आपका बच्चा रातभर आराम से सोता है?

इन तरीकों से सुलाएं अपने बच्चे को

अच्छी तरह से खिलाएं

पेट भरा हुआ होने से बच्चे को अच्छी नींद आएगी। अगर आप बच्चे को स्तनपान करवाती हैं तो उस पर भी ध्यान रखें कि उसने अच्छी तरह से दूध पी लिया हो। दिन में बच्चे को रोशनी में खाना खिलाएं लेकिन रात होने पर किसी शांत जगह पर और अंधेरे में ही खिलाएं। इससे बच्चे को अच्छी नींद आ जाती है।

दिन में कम सुलाएं

अगर बच्चे को पूरी रात बिना जगाए सुलाना है तो दिन में उसे कम सुलाएं। दिन में दूध या खाना खिलाने के तुरंत बाद सुला दें और फिर अपना सारा काम निपटा लें। पर उतना ही सुलाएं जितनी उसको जरुरत हो वरना ज्यादा सोने से उसे रात में नींद नहीं आएगी।

अपने बच्चे के पास रहें

सोते समय जब आप अपने बच्चे के पास लेटती हैं, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। कुछ बच्चों को यह महसूस हो जाता है कि मां उसके पास मौजूद नहीं है, इसलिये वह झट से उठ जाता है और रोने लगता है। इसलिये बच्चे के सोने के 10-15 मिनट बाद ही बिस्तर से उठें।

एक ही रूटीन का पालन करें

अगर बच्चे को एक समय पर ही सुलाना चाहती हैं तो रुटीन का पालन करें। कभी जल्दी और कभी देर से न सुलाएं, इससे आप ही को परेशानी होगी। बच्चे को रोज एक ही समय पर खाना खिलाएं और फिर सुलाएं।

आरामदायक बिस्तर

अगर कमरे में अंधेरा हो और मुलायम बिस्तर हो तो बच्चे को अच्छी नींद आती है। बच्चे के लिये एक अलग से कंबल या चादर रखें, इससे बच्चा आराम से खुद के बिस्तर और कंबल में बिना परेशानी के सो सकता है।

गर्मी में लड़कियों के लिए

खास टिप्स

गर्मी ने आते ही सबके हाल बेहाल करना शुरू कर दिया है। इसका असर बच्चों व बूढ़ों पर पड़ा है, तो महिलाएं भी इससे अछूती नहीं रही हैं।

कामकाजी महिलाओं और लड़कियों को गर्मी के मौसम में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां हम महिलाओं को गर्मी से बचने के कुछ उपाय बता रहे हैं।

1. धूप में बाहर जाने से 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगाएं। यह आपको सनबर्न, स्कीन टैन आदि से बचाएगा। आपका सनस्क्रीन SPF15 या उससे ज्यादा का होना चाहिए।
2. इसके साथ जब भी बाहर जाएं तो गॉगल, हैंड ग्लव्स और स्कॉर्फ भी पहनें।
3. अपने सिर को हमेशा ढंककर रखें।
4. हर 1 घंटे में पानी पीने का नियम बना लें। ऐसा करने से आपके शरीर में हाइड्रेशन लेवल बना रहेगा।
5. रसीले फलों का सेवन करें, जैसे अंगूर, तरबूज, आम, ककड़ी ये आपके शरीर को पोषण देने के साथ-साथ तरोताजा भी रखेंगे।
6. अपने चेहरे पर हफ्ते में एक बार हर्बल मॉइस्चराइजर लगाएं जिसमें चंदन, हल्दी, ब्राह्मी, आमला और एलोवीरा हो।
7. साथ ही 1 महीने में 2 बार फरुट मॉस्क भी लगाएं।
8. गर्मी के मौसम में बाहर रोड पर लगे नलों में से पानी पीना अवॉइड करें। अपने साथ पानी की बोतल जरूर रखें।
9. गर्मी के मौसम में 2 बार स्नान करें।
10. जरूरत से ज्यादा भी काम न करें। जितनी क्षमता हो, उतना ही काम करें।
11. चाय और कॉफी का ज्यादा सेवन न करें तथा इन्हें खाली पेट तो बिलकुल न लें। खाली पेट लेने से पेट की बीमारियां होने की आशंका होती है।
12. और सबसे जरूरी कि अपनी दिनचर्या को नियमित रखें। समय से सोएं और समय से उठें।

फायदेमंद है ममा का क्रिएटिव होना

नई-नई मम्मी बनी महिलाओं के अलावा ये खबर ममी टू बी ज के लिए भी बेहद अच्छी है। एक शोध ने बताया है कि पार्ट टाइम काम करने वाली या किसी भी अन्य क्रिएटिव काम में बिजी रहने वाली मम्मियां कई तरह की परेशानियों से दूर रह सकती हैं। चलिए मुद्दे पर आते हैं। असल में पिछले दिनों हुए एक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया कि वे महिलाएं, जिन्होंने कुछ ही महीने या हफ्ते पहले बच्चे को जन्म दिया हो, अगर पार्ट टाइम किसी संस्थान में काम करती हैं या फिर घर में बच्चे की देखभाल से बचे समय में पेंटिंग, संगीत, लेखन या अन्य किसी क्रिएटिव काम से जुड़ी रहती हैं तो वे तनाव, डिप्रेशन आदि से काफी हद तक दूर रहती हैं।

यही नहीं अन्य महिलाओं की तुलना में ऐसी महिलाएं ज्यादा स्वस्थ भी रहती हैं और उनके बच्चे भी ज्यादा क्रिएटिव होते हैं। असल में किसी भी काम में व्यस्त रहने से आपका दिमाग उन नकारात्मक चीजों में उलझने से बच जाता है जो आपको खाली बैठे में घेर सकती हैं। चाहे फिर वे नकारात्मक भावनाएं या उलझनें आपके परिवार, आस-पड़ोस या अन्य किसी भी मुद्दे से जुड़ी क्यों न हों।

साथ ही क्रिएटिव काम या मनपसंद काम को करने से जो पॉजिटिव एनर्जी आपको मिलती है वह बच्चे के साथ समय गुजारने में आपकी मदद करती है। वहीं भावनात्मक तौर पर भी आप मातृत्व की जिम्मेदारी उठाने के लिए और मजबूत बनती हैं। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि आप सेहत को नुकसान पहुंचाकर कोई काम शुरू करें या अपने आराम के समय से समझौता करें। असल बात सिर्फ मानसिक तौर पर आपके किसी क्रिएटिव चीज में डूबने से जुड़ी है। यानी दिमाग को अच्छी खुराक मिलेगी और आप बच्चे के साथ को और भी अच्छी तरह एंजॉय कर पाएंगी।